

BPSC TRE 4.0 - Prelims Content PDF - Hindi

Q.1 निम्नलिखित में से कौन सा दर्रा अरुणाचल प्रदेश को तिब्बत से जोड़ता है?

- A. चांगला
- B. बनिहाल
- C. अघिल
- D. बोम-डी-ला

Answer: D

Sol: सही उत्तर है: **(D) बोम-डी-ला**

Explanation:

- **बोम-डी-ला दर्रा अरुणाचल प्रदेश** में वृहद हिमालय में स्थित एक रणनीतिक पहाड़ी दर्रा है।
- यह अरुणाचल प्रदेश (तवांग जिला) के पश्चिमी सीमा क्षेत्र को **ल्हासा, तिब्बत** से जोड़ता है।
- यह समुद्र तल से लगभग 2,217 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।
- यह पूर्वोत्तर भारत में एक ऐतिहासिक और रणनीतिक व्यापार और परिवहन गलियारे के रूप में कार्य करता है।

Information Booster:

- **दिहांग दर्रा** और **योगग्याप दर्रा** अरुणाचल प्रदेश में चीन/तिब्बत को जोड़ने वाले अन्य रणनीतिक दर्रे हैं।
- **दीफू दर्रा** पूर्वी अरुणाचल प्रदेश में भारत, चीन और म्यांमार के त्रिसंगम (ट्राई-जंक्शन) पर स्थित है।

सेला दर्रा तवांग को शेष अरुणाचल प्रदेश से जोड़ता है।

- **तवांग** का प्रसिद्ध बौद्ध मठ इसी पहाड़ी दर्रा गलियारे के पास स्थित है।

Additional Information:

विकल्प (A) चांगला: पैगोंग झील के मार्ग पर **लद्दाख** में स्थित उंचा पहाड़ी दर्रा।

विकल्प (B) बनिहाल: पीर पंजाल श्रेणी के पार **जम्मू और कश्मीर** में स्थित है, जो जम्मू को कश्मीर घाटी से जोड़ता है।

विकल्प (C) अघिल: K2 के उत्तर में काराकोरम श्रेणी में स्थित पहाड़ी दर्रा, जो **लद्दाख** को शिनजियांग क्षेत्र से जोड़ता है।

Q.2 किस अक्षांश में महासागर के पानी की लवणता सबसे अधिक होती है?

- A. 20° - 40°
- B. 0° - 10°
- C. 10° - 20°
- D. 40° - 60°

Answer: A

Sol: सही उत्तर: **(A) 20° - 40°**

स्पष्टीकरण:

- महासागर के पानी की अधिकतम सतह लवणता **20° और 40° अक्षांशों** के बीच उपोष्णकटिबंधीय उच्च-दाब पेटियों में देखी जाती है।
- उच्च तापमान और साफ प्रति-चक्रवात आकाश के कारण होने वाले **वाष्पीकरण** की उच्च दर इन क्षेत्रों में नमक एकाग्रता को बढ़ाती है।
- इन अक्षांश पेटियों में बेहद कम **वर्षा** और प्रमुख नदियों से न्यूनतम ताजा पानी का प्रवेश होता है।
- इन अक्षांशों के भीतर व्यापारिक पवन क्षेत्र लगातार नमी को दूर ले जाते हैं, जिससे सतह के महासागर **लवणता स्तर** और बढ़ जाते हैं।

Information booster:

- खुले महासागरों की औसत लवणता लगभग **35 भाग प्रति हजार (‰)** है।
- उच्चतम खुले समुद्र की लवणता (37‰-38‰ तक) उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों जैसे **सारगासो सागर** में दर्ज की जाती है।
- **लाल सागर** नगण्य वर्षा और तीव्र वाष्पीकरण के कारण बहुत उच्च सतह लवणता (लगभग 41‰) प्रदर्शित करता है।
- आइसोलाइन (Isohalines) मानचित्रों पर खींची गई भौगोलिक रेखाएँ हैं जो **समान महासागर लवणता** के बिंदुओं को जोड़ती हैं।
- लवणता पानी के घनत्व को बढ़ाती है, जो वैश्विक **थर्मोहलाइन परिसंचरण** को चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

Q.3 संथाल विद्रोह (1855-57) में, संथालों ने मुख्य रूप से अपना गुस्सा किसके खिलाफ निर्देशित किया?

- A. ब्रिटिश अधिकारियों, जमींदारों, व्यापारियों और स्थानीय साहूकारों
- B. दूर के छावनियों में तैनात बंगाल सेना के सैनिकों
- C. पारंपरिक ग्राम प्रधानों और अपनी ही जनजाति के कबीले प्रमुखों
- D. मिशनरियों जो अकाल के दौरान मुफ्त भोजन बांटते थे

Answer: A

Sol: सही उत्तर **(A) ब्रिटिश अधिकारियों, जमींदारों, व्यापारियों और स्थानीय साहूकारों** है

व्याख्या:

- 1855-1856 का संथाल विद्रोह (संथाल हूल) राजमहल पहाड़ियों के क्षेत्र में सिद्धू, कान्हू, चांद और भैरव भाइयों के नेतृत्व में एक बड़े पैमाने पर उपनिवेशवाद विरोधी आदिवासी विद्रोह था।

- संथालों ने 'दिकुओं' (बाहरी लोगों) के खिलाफ अपना विरोध निर्देशित किया, जिसमें दमनकारी ब्रिटिश अधिकारी, गैर-आदिवासी जमींदार, चालाक व्यापारी और शिकारी स्थानीय साहूकार (महाजन) शामिल थे।
- 1793 के स्थायी बंदोबस्त की शुरुआत के बाद, संथालों ने 'दामिन-ए-कोह' क्षेत्र में खेती करने के लिए घने जंगलों को साफ किया, लेकिन बाद में वे साहूकारों द्वारा अत्यधिक कर मांगों और आजीवन ऋण चक्रों में फंस गए।
- जब औपनिवेशिक पुलिस और अदालतों ने लगातार शोषक जमींदारों और साहूकारों का पक्ष लिया, तो संथालों ने एक स्वतंत्र संथाल राज स्थापित करने के लिए हथियार उठा लिए।
- पारंपरिक धनुष, तीर, भाले और कुल्हाड़ियों से लैस, हजारों संथालों ने बहादुरी से लड़ाई लड़ी, इससे पहले कि ब्रिटिश सेना ने बेहतर मारक क्षमता के साथ विद्रोह को बेरहमी से दबा दिया।

Information Booster:

- सिद्धू और कान्हू ने अपने आंदोलन के लिए दिव्य प्रेरणा की घोषणा की, यह दावा करते हुए कि सर्वोच्च देवता 'ठाकुर बोंगा' ने उन्हें दमनकारी बाहरी लोगों को बाहर निकालने का आदेश दिया था।
- विद्रोह के बाद, ब्रिटिश अधिकारियों ने 'संथाल परगना' नामक एक अलग प्रशासनिक क्षेत्र बनाया और आदिवासी भूमि स्वामित्व की रक्षा के लिए संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम पारित किया।
- संथाल शहीदों की बहादुरी और बलिदान का सम्मान करने के लिए झारखंड और पश्चिम बंगाल में प्रतिवर्ष 30 जून को 'हूल दिवस' के रूप में मनाया जाता है।
- संथाल विद्रोह 1857 के विद्रोह से पहले हुआ था और पूरे भारत में बाद के किसान और आदिवासी संघर्षों के लिए एक बड़ी प्रेरणा के रूप में कार्य किया।
- संथाल पूर्वी भारत में सबसे बड़े अनुसूचित जनजाति समुदायों में से एक हैं, जो मुख्य रूप से झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और बिहार में निवास करते हैं।

Additional Knowledge:

- **बंगाल सेना के सैनिक (विकल्प B):** संथालों ने अपने निकटतम क्षेत्र में स्थानीय पुलिस और ब्रिटिश सेना से लड़ाई लड़ी, न कि दूर के सैन्य चौकियों में स्थित सेना के छावनियों से।
- **पारंपरिक ग्राम प्रधान (विकल्प C):** विद्रोह ने पारंपरिक आदिवासी शासन संस्थानों (जैसे मांझी और प्रमाणिक) का विरोध करने के बजाय उनकी रक्षा करने की मांग की।
- **मिशनरियां (विकल्प D):** ईसाई मिशनरियां शत्रुता का प्राथमिक फोकस नहीं थीं; मुख्य शिकायतें भूमि एजेंटों, व्यापारियों और ब्रिटिश प्रशासन द्वारा आर्थिक शोषण से उत्पन्न हुई थीं।

Q.4 सूची-I का सूची-II के साथ मिलान करें:

सूची-I	सूची-II
[A] बिरजू महाराज	[I] पत्रकार
[B] जी. टी. नानावती	[II] फिल्म स्टार
[C] पुनीत राजकुमार	[III] कथक प्रतिपादक
[D] विनोद दुआ	[IV] न्यायाधीश

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

- A. [A]-[IV]; [B]-[III]; [C]-[II]; [D]-[I]
B. [A]-[II]; [B]-[IV]; [C]-[III]; [D]-[I]
C. [A]-[III]; [B]-[IV]; [C]-[II]; [D]-[I]
D. [A]-[I]; [B]-[II]; [C]-[III]; [D]-[IV]

Answer: C

Sol: सही उत्तर (C) [A]-[III]; [B]-[IV]; [C]-[II]; [D]-[I] है

व्याख्या:

- पंडित बिरजू महाराज [A] का कथक प्रतिपादक [III] के साथ मिलान होता है: वह कथक नृत्य के कालका-बिंदादीन घराने के एक महान उस्ताद और पद्म विभूषण प्राप्तकर्ता थे।
- जस्टिस जी. टी. नानावती [B] का न्यायाधीश [IV] के साथ मिलान होता है: वे एक प्रतिष्ठित पूर्व सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे, जिन्होंने 1984 के सिख विरोधी दंगों और 2002 के गुजरात दंगों की जांच आयोगों का नेतृत्व किया था।
- पुनीत राजकुमार [C] का फिल्म स्टार [II] के साथ मिलान होता है: जिन्हें प्यार से 'अप्पू' के नाम से जाना जाता है, वे कन्नड़ सिनेमा के एक प्रसिद्ध सुपरस्टार, अभिनेता, पार्श्व गायक और निर्माता थे।
- विनोद दुआ [D] का पत्रकार [I] के साथ मिलान होता है: वे एक वयोवृद्ध भारतीय प्रसारण पत्रकार, समाचार एंकर और हिंदी टेलीविजन पत्रकारिता के अग्रणी थे।
- इसलिए, सही मिलान विकल्प [A]-[III]; [B]-[IV]; [C]-[II]; [D]-[I] है।

Information Booster:

- पंडित बिरजू महाराज कथक नर्तकों के एक महान परिवार से थे, जिसमें उनके चाचा शंभू महाराज और लक्ष्म महाराज, और उनके पिता अच्छन महाराज शामिल थे।
- जस्टिस गिरीश ठाकोरलाल नानावती ने गुजरात उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, उड़ीसा और कर्नाटक उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया, और उन्हें भारत के सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नत किया गया।
- पुनीत राजकुमार ने 'बेटाडा हूवु' (1985) में अपने प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता और मरणोपरांत कर्नाटक का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'कर्नाटक रत्न' प्राप्त किया।
- विनोद दुआ को प्रसारण पत्रकारिता में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए 2008 में पत्रकारिता में रामनाथ गोयनका उत्कृष्टता पुरस्कार और पद्म श्री से सम्मानित किया गया था।
- सभी चार प्रतिष्ठित हस्तियों का 2021 के अंत और 2022 की शुरुआत के बीच निधन हो गया, जो अपने संबंधित क्षेत्रों में अपनी स्थायी विरासत के लिए देश भर में महत्वपूर्ण समाचार सुर्खियों में रहे।
- यह मिलान शास्त्रीय प्रदर्शन कला, न्यायपालिका, भारतीय सिनेमा और मीडिया पत्रकारिता में प्रमुख भारतीय हस्तियों पर प्रकाश डालता है।

Additional Knowledge:

- विकल्प A ([A]-[IV]; [B]-[III]; [C]-[II]; [D]-[I]): गलत है क्योंकि यह बिरजू महाराज को एक न्यायाधीश के रूप में और जस्टिस नानावती को एक कथक प्रतिपादक के रूप में गलत तरीके से जोड़ता है।
- विकल्प B ([A]-[II]; [B]-[IV]; [C]-[III]; [D]-[I]): गलत है क्योंकि यह बिरजू महाराज को फिल्म स्टार के रूप में और पुनीत राजकुमार को कथक प्रतिपादक के रूप में गलत पहचानता है।
- विकल्प D ([A]-[I]; [B]-[II]; [C]-[III]; [D]-[IV]): गलत है क्योंकि यह बिरजू महाराज को पत्रकारिता के साथ और विनोद दुआ को न्यायपालिका के साथ गलत तरीके से जोड़ता है।

Q.5 2015 में स्थापित नीति (NITI) आयोग ने भारत के विकास पुनर्गठन के हिस्से के रूप में योजना आयोग का स्थान लिया। NITI का सही पूर्ण रूप क्या है?

- A. नेशनल इंडिपेंडेंट थिंक-टैंक ऑफ इंडिया
- B. नेशनल इंटरफेस फॉर टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन
- C. नेशनल इनिशिएटिव फॉर ट्रेडिशनल इंडस्ट्रीज
- D. नेशनल इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया

Answer: D

Sol: सही उत्तर (D) नेशनल इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया है

व्याख्या:

- नीति (NITI) आयोग का अर्थ नेशनल इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया है।
- इसकी स्थापना 1 जनवरी 2015 को केंद्रीय मंत्रिमंडल के एक प्रस्ताव के माध्यम से की गई थी, जिसने 65 साल पुराने योजना आयोग को प्रभावी रूप से प्रतिस्थापित कर दिया।
- नीति आयोग भारत सरकार के प्रमुख नीतिगत 'थिंक टैंक' के रूप में कार्य करता है, जो दिशात्मक और नीतिगत दोनों इनपुट प्रदान करता है।
- योजना आयोग, जिसने टॉप-डाउन मॉडल और केंद्रीकृत संसाधन आवंटन का पालन किया था, के विपरीत नीति आयोग 'बॉटम-अप' दृष्टिकोण पर जोर देता है।
- इसका मूल दर्शन 'सहकारी संघवाद' के इर्द-गिर्द घूमता है, जो राष्ट्रीय नीतियों को तैयार करने में राज्य सरकारों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करता है।

Information Booster:

- भारत के प्रधान मंत्री नीति आयोग के पदेन अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं।
- नीति आयोग की शासी परिषद में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल शामिल हैं।
- यह SDG इंडिया इंडेक्स, स्वास्थ्य सूचकांक, समग्र जल प्रबंधन सूचकांक और नवाचार सूचकांक सहित कई महत्वपूर्ण विकासात्मक सूचकांक प्रकाशित करता है।
- इस संगठन की संरचना विशेष हब के इर्द-गिर्द की गई है, जैसे टीम इंडिया हब (राज्यों के साथ इंटरफेस करना) और नॉलेज एंड इनोवेशन हब (थिंक-टैंक क्षमताओं का निर्माण)।

Additional Knowledge:

- (A) नेशनल इंडिपेंडेंट थिंक-टैंक ऑफ इंडिया: एक गलत विस्तार है। हालांकि NITI एक थिंक-टैंक के रूप में कार्य करता है, यह इसका आधिकारिक संक्षिप्त नाम नहीं है।
- (B) नेशनल इंटरफेस फॉर टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन: गलत है। जबकि नीति आयोग प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देता है (जैसे, अटल इनोवेशन मिशन के माध्यम से), यह इसका नाम नहीं है।
- (C) नेशनल इनिशिएटिव फॉर ट्रेडिशनल इंडस्ट्रीज: गलत है। SFURTI (पारंपरिक उद्योगों के उत्थान के लिए कोष की योजना) पारंपरिक उद्योगों से संबंधित है, NITI से नहीं।

Q.6 नीति आयोग की रिपोर्ट “भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए प्रमुख क्षेत्र” के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन सा भारत के विनिर्माण विकास को गति देने के लिए पहचाने गए चार उच्च क्षमता वाले क्षेत्रों में शामिल नहीं है?

- A. रसायन
- B. कपड़ा
- C. फार्मास्युटिकल्स और चिकित्सा उपकरण
- D. सोलर पीवी विनिर्माण

Answer: C

Sol: सही उत्तर: (c) फार्मास्युटिकल्स और चिकित्सा उपकरण

स्पष्टीकरण:

- नीति आयोग की रिपोर्ट ने भारत के विनिर्माण विकास को गति देने और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में इसकी स्थिति को मजबूत करने की महत्वपूर्ण क्षमता वाले चार उच्च क्षमता वाले क्षेत्रों की पहचान की।
- ये रसायन, कपड़ा, टेलीकॉम व नेटवर्किंग उपकरण, और सोलर पीवी विनिर्माण हैं।
- फार्मास्युटिकल्स और चिकित्सा उपकरण 12 प्रमुख विनिर्माण क्षेत्रों में से एक है, लेकिन विशेष रूप से हाइलाइट किए गए चार उच्च क्षमता वाले क्षेत्रों में शामिल नहीं है।

Information Booster:

- रिपोर्ट ने वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करने हेतु लक्षित हस्तक्षेपों के लिए 12 विनिर्माण क्षेत्रों की पहचान की।
- अध्ययन ने चार-चरणीय दृष्टिकोण का पालन किया, जिसमें क्षेत्र का चयन, मूल्यांकन, अंतर्राष्ट्रीय बेंचमार्किंग और क्षेत्र-विशिष्ट सिफारिशों का विकास शामिल है।
- यह रिपोर्ट नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिरी द्वारा जारी की गई थी।

Additional Knowledge:

- शामिल किए गए अन्य क्षेत्रों में ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, स्टील, पूंजीगत सामान, रक्षा और ड्रोन, चमड़ा और जूते, तथा खाद्य प्रसंस्करण शामिल हैं।
- रिपोर्ट का उद्देश्य प्रतिस्पर्धात्मकता, घरेलू क्षमताओं, मूल्यवर्धन और निर्यात-उन्मुख विनिर्माण को बढ़ाना है।

Q.7 केप्लर के ग्रहीय गति के दूसरे नियम को किस रूप में भी जाना जाता है?

- A. आवर्तकाल का नियम
- B. समान क्षेत्रफल का नियम
- C. कक्षाओं का नियम
- D. ग्रहों का नियम

Answer: B

Sol: सही उत्तर **{b}** है।

Explanation

{i} केप्लर के दूसरे नियम के अनुसार, किसी ग्रह और सूर्य को मिलाने वाली रेखा **समान समयांतराल में समान क्षेत्रफल** तय करती है।

{ii} इसका तात्पर्य यह है कि ग्रह **सूर्य के निकट होने पर तेजी से** और **दूर होने पर धीमी गति से** चलता है।

{iii} इसलिए, केप्लर के दूसरे नियम को **समान क्षेत्रफल का नियम** कहा जाता है।

अतः, सही उत्तर **{b}** है।

Additional Information

{i} केप्लर का पहला नियम **कक्षाओं का नियम** है, जिसके अनुसार ग्रह सूर्य को एक फोकस पर रखते हुए दीर्घवृत्ताकार कक्षाओं में गति करते हैं।

{ii} केप्लर का तीसरा नियम **आवर्तकाल का नियम** है, जिसके अनुसार कक्षीय आवर्तकाल का वर्ग कक्षा के अर्ध-दीर्घ अक्ष के घन के समानुपाती होता है।

Q.8 निम्नलिखित राज्यों पर विचार कीजिए:

- I. तमिलनाडु
- II. महाराष्ट्र
- III. गुजरात
- IV. कर्नाटक

2011 की जनगणना के अनुसार, इन राज्यों के शहरीकरण के स्तर (कुल जनसंख्या पर शहरी जनसंख्या का %) का सही अवरोही क्रम है:

- A. I, II, III, IV
- B. II, I, III, IV
- C. IV, III, II, I
- D. I, III, IV, II

Answer: A

Sol: सही उत्तर: **(A) I, II, III, IV**

स्पष्टीकरण:

→ जनगणना 2011 के अनुसार, **तमिलनाडु 48.4%** की शहरी जनसंख्या प्रतिशत के साथ प्रमुख राज्यों में अग्रणी है।

→ **महाराष्ट्र 45.2%** के शहरीकरण स्तर के साथ इन राज्यों में दूसरे स्थान पर है।

→ **गुजरात** इस समूह में तीसरे स्थान पर है, जो **42.6%** का शहरी जनसंख्या अनुपात दर्ज करता है।

→ **कर्नाटक** दिए गए राज्यों में चौथे स्थान पर है, जिसकी शहरी जनसंख्या **38.6%** है।

Information booster:

→ जनगणना 2011 के अनुसार, भारत की कुल शहरी जनसंख्या **31.16%** दर्ज की गई थी।

→ सभी राज्यों में, **गोवा 62.2%** शहरी जनसंख्या के साथ सबसे अधिक शहरीकृत राज्य है।

→ केंद्र शासित प्रदेशों में, **दिल्ली 97.5%** शहरी जनसंख्या के साथ सूची में सबसे ऊपर है।

→ **हिमाचल प्रदेश** भारत में सबसे कम शहरीकृत राज्य है, जिसकी शहरी जनसंख्या केवल **10.0%** है।

→ शहरी निवासियों की कुल पूर्ण संख्या के मामले में, **महाराष्ट्र** भारत में सबसे ऊपर है.

Q.9 भारत की प्रस्तावना में संविधान के कौन से चार उद्देश्यों का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है?

- A. संसद, राष्ट्रपति, न्यायपालिका, चुनाव
- B. अधिकार, कर्तव्य, कानून, शासन
- C. न्याय, स्वतंत्रता, समता, बंधुत्व
- D. संप्रभु, गणराज्य, धर्मनिरपेक्ष, राजतंत्र

Answer: C

Sol: सही उत्तर **(C) न्याय, स्वतंत्रता, समता, बंधुत्व** है

व्याख्या:

• भारत के संविधान की प्रस्तावना स्पष्ट रूप से चार महान उद्देश्यों को रेखांकित करती है जिन्हें यह गणराज्य अपने सभी नागरिकों के लिए सुरक्षित करने का वादा करता है: न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुत्व।

• **न्याय:** इसमें सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय शामिल है, जो जाति, लिंग या धन के आधार पर भेदभाव से मुक्त एक न्यायसंगत समाज सुनिश्चित करता है।

• **स्वतंत्रता:** यह विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता की गारंटी देता है, जो व्यक्तिगत आत्म-प्राप्ति के लिए आवश्यक मौलिक अधिकारों को सुरक्षित करता है।

• **समता:** यह प्रतिष्ठा और अवसर की समता की गारंटी देता है, मनमाने विशेषाधिकारों को समाप्त करता है और अनुच्छेद 14 से 18 के तहत उन्नति के समान अवसर प्रदान करता है।

• **बंधुत्व:** यह व्यक्ति की गरिमा तथा राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करता है, जो विविध भाषाई और धार्मिक समूहों में समान भाईचारे की भावना पैदा करता है।

Information Booster:

• प्रस्तावना ऐतिहासिक 'उद्देश्य प्रस्ताव' पर आधारित है जिसे 13 दिसंबर 1946 को संविधान सभा में पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा तैयार और पेश किया गया था, तथा 22 जनवरी

1947 को अपनाया गया था।

- प्रस्तावना में पहली और एकमात्र बार 1976 के 42वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा संशोधन किया गया था, जिसमें तीन नए शब्द जोड़े गए: "समाजवादी", "पंथनिरपेक्ष" और "अखंडता"।
- ऐतिहासिक *केशवानंद भारती मामले (1973)* में, सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि प्रस्तावना संविधान का एक अभिन्न अंग है और इसमें इसकी मूल संरचना समाहित है।
- हमारी प्रस्तावना में निहित स्वतंत्रता, समता और बंधुत्व के आदर्श फ्रांसीसी क्रांति (1789-1799) के आदर्श वाक्य से प्रेरित थे।

Additional Knowledge:

- **संसद, राष्ट्रपति, न्यायपालिका, चुनाव (विकल्प A):** यह संविधान के अलग-अलग भागों (भाग V और XV) के तहत स्थापित संरचनात्मक संस्थानों और शासन के तंत्र को संदर्भित करता है, न कि प्रस्तावना में बताए गए नैतिक उद्देश्यों को।
- **अधिकार, कर्तव्य, कानून, शासन (विकल्प B):** यह प्रस्तावना के मूल मूल्यों के बजाय भाग III (मौलिक अधिकार), भाग IV-A (कर्तव्य) और कार्यकारी नियमों में शामिल वर्णनात्मक कानूनी अवधारणाएँ हैं।
- **संप्रभु, गणराज्य, धर्मनिरपेक्ष, राजतंत्र (विकल्प D):** यह गलत संयोजन है क्योंकि "राजतंत्र", "गणराज्य" के विपरीत है, और ये नागरिकों के लिए सुरक्षित किए जाने वाले उद्देश्यों के बजाय *भारतीय राज्य की प्रकृति* (संप्रभु, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक, गणराज्य) का वर्णन करते हैं।

Q.10 आँखों के निम्नलिखित में से किस दोष के उपचार के रूप में बाइफोकल लेंस का उपयोग किया जाता है?

- A. दूरदृष्टि दोष
- B. जरादृष्टि दोष
- C. अबिंदुकता
- D. निकटदृष्टि दोष

Answer: B

Sol: सही उत्तर (b) है।

Explanation

- {i} **जरादृष्टि दोष** नेत्र लेंस की लोच के क्रमिक ह्रास और सिलिअरी मांसपेशियों के कमजोर होने के कारण होने वाला उम्र से संबंधित दृष्टि दोष है।
 - {ii} जरादृष्टि दोष से पीड़ित व्यक्ति को पास की वस्तुओं को स्पष्ट रूप से देखने में कठिनाई होती है।
 - {iii} एक **बाइफोकल लेंस** के दो भाग होते हैं:
 - ऊपरी भाग दूर की दृष्टि के लिए **अवतल लेंस** होता है।
 - निचला भाग पास की दृष्टि के लिए **उत्तल लेंस** होता है।
 - {iv} इसलिए, बाइफोकल लेंस का उपयोग **जरादृष्टि दोष** को ठीक करने के लिए किया जाता है।
- अतः सही उत्तर **{b}** है।

Additional Information

- {i} दृष्टि के दोष और उनका सुधार हैं:
- निकटदृष्टि दोष → अवतल लेंस का उपयोग करके ठीक किया जाता है।
- दूरदृष्टि दोष → उत्तल लेंस का उपयोग करके ठीक किया जाता है।
- जरादृष्टि दोष → बाइफोकल लेंस का उपयोग करके ठीक किया जाता है।
- अबिंदुकता → बेलनाकार लेंस का उपयोग करके ठीक किया जाता है।

Q.11 सूची-I (बिहार में कांग्रेस अधिवेशन) का सूची-II (अध्यक्ष) के साथ मिलान करें और सही उत्तर का चयन करें:

सूची-I (अधिवेशन स्थल)	सूची-II (अध्यक्ष)
A. बांकीपुर (1912)	1. सी.आर. दास
B. गया (1922)	2. आर.एन. मुधोलकर
C. रामगढ़ (1940)	3. मौलाना अबुल कलाम आजाद

कोड:

- A. A-2, B-1, C-3
- B. A-1, B-2, C-3
- C. A-2, B-3, C-1
- D. A-3, B-2, C-1

Answer: A

Sol: सही उत्तर (a) A-2, B-1, C-3 है

व्याख्या:

- INC का 27वां अधिवेशन **1912 में बांकीपुर (पटना)** में आयोजित किया गया था और इसकी अध्यक्षता **राव बहादुर आर.एन. मुधोलकर** ने की थी।
- 37वां अधिवेशन **1922 में गया** में **चित्तरंजन दास (सी.आर. दास)** की अध्यक्षता में हुआ था, जहाँ स्वराज पार्टी की अवधारणा आकार लेने लगी थी।
- 53वां अधिवेशन **1940 में रामगढ़ (अब झारखंड में)** में आयोजित किया गया था, जिसकी अध्यक्षता प्रमुख नेता **मौलाना अबुल कलाम आजाद** ने की थी।

Information Booster:

- 1912 का बांकीपुर अधिवेशन बिहार के क्षेत्र में आयोजित होने वाला पहला भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अधिवेशन था।
- काउंसिल प्रवेश के मुद्दे पर मतभेदों के कारण गया अधिवेशन के बाद सी.आर. दास ने अपने INC अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया, जिसके कारण स्वराज पार्टी का गठन हुआ।

Additional Knowledge:

A-1, B-2, C-3 (विकल्प b)

- गलत मिलान है। सी.आर. दास ने 1912 के अधिवेशन की अध्यक्षता नहीं की थी; उन्होंने 1922 के गया अधिवेशन का नेतृत्व किया था।

A-2, B-3, C-1 (विकल्प c)

- गलत मिलान है। मौलाना आजाद ने रामगढ़ की अध्यक्षता की थी, गया की नहीं।

A-3, B-2, C-1 (विकल्प d)

- पूरी तरह से गलत मिलान है जिसमें अधिवेशनों और उनके संबंधित अध्यक्षों को मिला दिया गया है।

अतः सही उत्तर (a) है।

Q.12 मानव विकास सूचकांक (HDI) का आधार क्या है ?

- A. स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, जीवन शैली
- B. स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार
- C. स्वास्थ्य, शिक्षा, जीवन शैली
- D. शिक्षा, रोजगार, जीवन शैली

Answer: C

Sol: सही उत्तर (C) स्वास्थ्य, शिक्षा, जीवन शैली है

व्याख्या:

- मानव विकास सूचकांक (HDI) मानव विकास के तीन बुनियादी आयामों में औसत उपलब्धि को मापता है: स्वास्थ्य, शिक्षा, और जीवन स्तर (जीवन शैली)।
- स्वास्थ्य आयाम:** जन्म के समय जीवन प्रत्याशा द्वारा मापा जाता है।
- शिक्षा आयाम:** 25+ वर्ष की आयु के वयस्कों के लिए स्कूली शिक्षा के औसत वर्षों और स्कूल में प्रवेश करने वाले बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्षों द्वारा मापा जाता है।
- जीवन स्तर (जीवन शैली) आयाम:** क्रय शक्ति समता (PPP) के लिए समायोजित प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (GNI) द्वारा मापा जाता है।
- बुनियादी HDI मूल्य की गणना में रोजगार का उपयोग प्रत्यक्ष स्टैंडअलोन पैरामीटर के रूप में नहीं किया जाता है।

Information Booster:

- HDI 1990 में पाकिस्तानी अर्थशास्त्री महबूब उल हक और भारतीय नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन द्वारा बनाया गया था।
- यह संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा अपनी मानव विकास रिपोर्ट में प्रतिवर्ष प्रकाशित किया जाता है।
- HDI तीनों आयामों के लिए सामान्यीकृत सूचकांकों में ज्यामितीय साधन की गणना करता है, जो 0 और 1 के बीच स्कोर आउटपुट करता है।
- UNDP द्वारा प्रकाशित अन्य संबंधित समग्र सूचकांकों में असमानता-समायोजित HDI (IHDI), लैंगिक विकास सूचकांक (GDI), और ग्रहीय दबाव-समायोजित HDI (PHDI) शामिल हैं।

Q.13 हड़प्पावासियों द्वारा किस जानवर को सबसे अधिक पसंद किया जाता था?

- A. घोड़ा
- B. बकरी
- C. कूबड़ वाला सांड
- D. ऊँट

Answer: C

Sol: सही उत्तर (C) कूबड़ वाला सांड (Humped bull) है

व्याख्या:

- हड़प्पा की कलाकृतियों, मुहरों, मिट्टी के बर्तनों और टेराकोटा की मूर्तियों में चित्रित विविध जीवों में, हड़प्पा (सिंधु घाटी) सभ्यता द्वारा कूबड़ वाले सांड (जेबू/ बोस इंडिकस) को सबसे अधिक पसंद और सम्मानित किया जाता था।
- हड़प्पा, मोहनजोदड़ो और कालीबंगा जैसे प्रमुख हड़प्पा स्थलों पर पुरातात्विक उत्खनन से बड़े घुमावदार सींगों और प्रमुख मांसल कूबड़ वाले राजसी कूबड़ वाले सांडों के व्यापक चित्रण मिलते हैं।
- सिंधु घाटी के समाज में कूबड़ वाले सांड का गहरा कृषि, परिवहन, और प्रतीकात्मक या धार्मिक महत्व था, जो एक सींग वाले पौराणिक जानवरों ("यूनिकॉर्न") के साथ प्रसिद्ध स्टीटाइट मुहरों पर प्रमुखता से प्रदर्शित होता था।
- हड़प्पा के पुरातात्विक निक्षेपों से प्राप्त जानवरों की हड्डियाँ इस बात की पुष्टि करती हैं कि पालतू कूबड़ वाले मवेशी स्थानीय कृषि अर्थव्यवस्था, भारवाहक श्रम और पशुपालन के

केंद्र थे।

Information Booster:

- जैसा कि NCERT कक्षा 12 इतिहास (विषय 1: ईंटें, मनके और अस्थियां) में उल्लेख किया गया है, मवेशी, भेड़, बकरी, भैंस और सुअर हड़प्पावासियों द्वारा रखे जाने वाले प्राथमिक पालतू जानवरों में से थे।
- पुरा-प्राणीशास्त्रियों और वन्यजीव इतिहासकारों का संकेत है कि पुरातात्विक कंकाल के अवशेषों और मिट्टी के बर्तनों के रूपांकनों के माध्यम से सूअर, हिरण और घड़ियाल जैसी जंगली प्रजातियों को भी जाना जाता था।
- परिपक्व हड़प्पा संदर्भों में घोड़ा विशेष रूप से अनुपस्थित या अत्यंत दुर्लभ था, जो हड़प्पा की शहरी संस्कृति और बाद के वैदिक देहाती समाजों के बीच एक प्राथमिक विशिष्ट रेखा के रूप में कार्य करता था।
- सिंधु स्थलों से प्राप्त बैलगाड़ियों के टेराकोटा मॉडल प्रदर्शित करते हैं कि क्षेत्रीय व्यापार नेटवर्क में कृषि उपज और व्यापारिक वस्तुओं के परिवहन के लिए कूबड़ वाले सांडों का उपयोग किया जाता था।

Additional Knowledge:

घोड़ा (विकल्प A): घोड़े मुख्यधारा की हड़प्पा संस्कृति का हिस्सा नहीं थे; परिपक्व हड़प्पा परतों में घोड़ों के अवशेष और साक्ष्य विवादास्पद या अनुपस्थित हैं, जो वैदिक ग्रंथों में महत्वपूर्ण हो जाते हैं।
 बकरी (विकल्प B): बकरियों को मांस और दूध के लिए पाला जाता था, लेकिन उनमें मुहरों पर कूबड़ वाले सांड को दी गई कलात्मक प्रमुखता और प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व का अभाव था।
 ऊंट (विकल्प D): कालीबंगा जैसे विशिष्ट स्थलों पर ऊंट की हड्डियां बहुत कम मात्रा में पाई गई हैं, लेकिन कूबड़ वाले मवेशियों की तुलना में हड़प्पा कला और मूर्ति विज्ञान में ऊंटों को व्यापक रूप से चित्रित या पसंद नहीं किया गया था।

Q.14 उत्तर-पश्चिम भारत में अचानक शीतकालीन वर्षा के लिए कौन सी जलवायु घटना जिम्मेदार है?

- A. पूर्वी लहरें
- B. स्थानीय पवनें
- C. जेट स्ट्रीम
- D. पश्चिमी विक्षोभ

Answer: D

Sol: सही उत्तर **(D) पश्चिमी विक्षोभ** है

व्याख्या:

- पश्चिमी विक्षोभ अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय कम दबाव वाले चक्रवाती सिस्टम हैं जो भूमध्य सागर, काला सागर और कैस्पियन सागर के ऊपर उत्पन्न होते हैं।
- ऊपरी-वायुमंडल उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट स्ट्रीम द्वारा संचालित, ये मौसम प्रणालियां उत्तरी भारत में प्रवेश करने के लिए मध्य पूर्व, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान भर में पूर्व की ओर यात्रा करती हैं।
- ये पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मैदानी इलाकों में अचानक सर्दियों की बारिश लाते हैं, साथ ही हिमालयी क्षेत्र में भारी बर्फबारी होती है।
- पश्चिमी विक्षोभ द्वारा लाई गई सर्दियों की वर्षा, जिसे स्थानीय रूप से 'महावट' कहा जाता है, रबी फसलों, विशेष रूप से गेहूं की खेती के लिए अत्यधिक फायदेमंद है।
- ये विक्षोभ हिमालय में ग्लेशियर की मात्रा को बनाए रखने और उत्तर भारतीय नदियों के बारहमासी प्रवाह को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- NCERT कक्षा 9 भूगोल (जलवायु) और NCERT कक्षा 11 भारत: भौतिक पर्यावरण (अध्याय 4: जलवायु) में विस्तृत है।

Information Booster:

- जैसे ही पश्चिमी विक्षोभ मध्य एशिया में यात्रा करते हैं, वे भूमध्य सागर और नमी युक्त अंतर्देशीय जल निकायों से नमी प्राप्त करते हैं।
- प्रचलित रात के तापमान में अचानक वृद्धि आमतौर पर आने वाले पश्चिमी विक्षोभ के एक प्रमुख वायुमंडलीय संकेतक के रूप में कार्य करती है।
- उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट स्ट्रीम सर्दियों के दौरान तिब्बती पठार के चारों ओर विभाजित हो जाती है, जिसकी दक्षिणी शाखा इन विक्षोभों को उत्तरी भारत में निर्देशित करती है।
- अत्यधिक या असामान्य रूप से तीव्र पश्चिमी विक्षोभ पहाड़ी दर्रों में शीत लहर, घने कोहरे, विनाशकारी ओलावृष्टि और गंभीर सर्दियों के भूस्खलन को ट्रिगर कर सकते हैं।
- औसतन, दिसंबर, जनवरी और फरवरी के चरम सर्दियों के महीनों के दौरान हर महीने लगभग 4 से 5 पश्चिमी विक्षोभ की घटनाएँ उत्तर भारत को पार करती हैं।

Additional Knowledge:

- पूर्वी लहरें (विकल्प A):** उष्णकटिबंधीय पूर्वी व्यापारिक पवन बेल्ट में एम्बेडेड उथले वायुमंडलीय कम दबाव वाले गर्त जो पूर्वी तटीय क्षेत्रों में वर्षा का कारण बनते हैं।
- स्थानीय पवनें (विकल्प B):** क्षेत्रीय तापन भिन्नताओं के कारण स्थानीय क्षेत्रों में उत्पन्न आवधिक या दैनिक पवनें (जैसे, गर्मियों में लू, मैंगो शावर, ब्लॉसम शावर)।
- जेट स्ट्रीम (विकल्प C):** ट्रोपोपॉज़ के पास स्थित तेज़ गति से बहने वाली, संकीर्ण वायु धाराएँ; जबकि पश्चिमी हवाएँ विक्षोभ ले जाती हैं, जेट स्ट्रीम स्वयं तूफान की घटना के बजाय एक पवन बेल्ट है।

Q.15 19 से 24 दिसंबर 2025 तक 77वीं सीनियर और 54वीं जूनियर राष्ट्रीय ट्रैक साइकिलिंग चैंपियनशिप किस राज्य में आयोजित की गई थी?

- A. उत्तर प्रदेश
- B. पंजाब
- C. उत्तराखंड
- D. पश्चिम बंगाल

Answer: C

Sol: सही उत्तर **(C) उत्तराखंड**

स्पष्टीकरण:

- 77वीं सीनियर और 54वीं जूनियर राष्ट्रीय ट्रैक साइकिलिंग चैंपियनशिप 19 से 24 दिसंबर 2025 तक उत्तरी राज्य उत्तराखंड में आयोजित की गई थी।

- प्रमुख राष्ट्रीय खेल आयोजन उत्तराखंड राज्य खेल विभाग के सहयोग से साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (CFI) के तत्वावधान में आयोजित किया गया था।
- देहरादून में विशेष खेल क्षेत्र में आयोजित, इस प्रतियोगिता में विभिन्न ट्रैक स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा करने वाले शीर्ष पेशेवर साइकिल चालक, राज्य टीमों और खेल बोर्ड शामिल थे।
- अनुशासन श्रेणियों में वरिष्ठ और जूनियर पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों के लिए व्यक्तिगत टाइम ट्रायल, स्प्रिंट, टीम पर्स्यूट, कीरिन, पॉइंट रेस और स्कैच रेस शामिल थे।
- राष्ट्रीय चैंपियनशिप की मेजबानी करना पर्वतीय क्षेत्रों में राष्ट्रीय खेल आयोजनों को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखंड के बढ़ते एथलेटिक बुनियादी ढांचे और प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

Information Booster:

- साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (CFI), जिसकी स्थापना 1946 में हुई थी, भारत में साइकिल रेसिंग के लिए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय शासी निकाय है, जो यूनियन साइक्लिस्ट इंटरनेशनल (यूसीआई) और एशियाई साइक्लिंग परिसंघ है(ACC) से संबद्ध है।
- ट्रैक साइकिलिंग विशेष बैंक वाले ओवल लकड़ी या कंक्रीट ट्रैक पर होती है जिन्हें वेलोड्रोम कहा जाता है।
- उच्च प्रदर्शन वाले इनडोर वेलोड्रोम में तेज गति से चलने वाले सेंट्रीफ्यूगल बल की भरपाई के लिए डिज़ाइन किए गए तीव्र बैंक मोड़ होते हैं।
- प्रमुख ट्रैक साइकिलिंग विषयों में स्प्रिंट, पर्स्यूट, और ओमोनियम शामिल हैं।
- 'खेलो इंडिया' जैसे सरकारी प्रमुख खेल विकास कार्यक्रम विभिन्न ओलंपिक विषयों में उभरते युवा एथलीटों को प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं।

Additional Knowledge:

- उत्तर प्रदेश (विकल्प A): विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट क्षेत्र जैसे आधुनिक खेल स्थलों का घर, जो विभिन्न राष्ट्रीय एथलेटिक चैंपियनशिप की मेजबानी करता है।
- पंजाब (विकल्प B): भारतीय ट्रैक एथलेटिक्स, हॉकी और साइकिलिंग में एक पारंपरिक पावरहाउस राज्य, जो अक्सर राष्ट्रीय टीमों में शीर्ष अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगियों का योगदान देता है।
- पश्चिम बंगाल (विकल्प D): ऐतिहासिक रूप से फुटबॉल, टेबल टेनिस और तीरंदाजी जैसे खेलों के लिए प्रसिद्ध, जिसमें साल्ट लेक स्टेडियम और नेताजी इंडोर स्टेडियम सहित प्रतिष्ठित सुविधाएं शामिल हैं।

Q.16 प्राचीन जैन शास्त्रों के स्वरूप को निर्धारित करने के लिए पहली जैन महासभा कहाँ आयोजित की गई थी?

- A. पाटलिपुत्र
- B. श्रवणबेलगोला
- C. उज्जैन
- D. मथुरा

Answer: A

Sol: सही उत्तर: (A) पाटलिपुत्र

स्पष्टीकरण:

- **प्रथम जैन परिषद (महासभा)** तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व (लगभग 300 ईसा पूर्व) में **पाटलिपुत्र** में आयोजित की गई थी।
- यह मौर्य शासक **चंद्रगुप्त मौर्य** के शासनकाल के दौरान **स्थूलभद्र** के नेतृत्व में बुलाई गई थी।
- इसका मुख्य परिणाम पवित्र जैन मौखिक परंपराओं को संरक्षित करने के लिए **12 अंगों** का संकलन था।
- इस परिषद ने **श्वेतांबर और दिगंबर** परंपराओं के बीच शुरुआती विभाजन को भी चिह्नित किया।

Information Booster:

- **द्वितीय जैन परिषद** 512 ईस्वी में **देवर्षि क्षमा श्रमण** की अध्यक्षता में **वल्लभी (गुजरात)** में आयोजित की गई थी।
- लिखित रूप में जैन आगमों का अंतिम संकलन **वल्लभी परिषद** में हुआ था।
- पवित्र जैन विहित साहित्य **अर्धमागधी प्राकृत भाषा** में दर्ज किया गया था।
- भगवान महावीर वैशाली के पास कुंडग्राम में जन्मे जैन धर्म के **24वें तीर्थंकर** थे।
- मगध में गंभीर 12 साल के अकाल के दौरान भद्रबाहु जैन प्रवासन का नेतृत्व दक्षिण **कर्नाटक** में किया।

Q.17 निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

- A. डाउन्स - ऑस्ट्रेलिया
- B. लानोस – दक्षिण अफ्रीका
- C. पंपास - अर्जेंटीना
- D. प्रेरीज - कनाडा

Answer: B

Sol: सही उत्तर: (B) लानोस – दक्षिण अफ्रीका
स्पष्टीकरण:
 → युग्म **लानोस – दक्षिण अफ्रीका** सही सुमेलित नहीं है क्योंकि **लानोस दक्षिण अमेरिका** (मुख्य रूप से वेनेजुएला और कोलंबिया) में स्थित एक उष्णकटिबंधीय घास का मैदान क्षेत्र है।
 → दक्षिण अफ्रीका में उष्णकटिबंधीय घास 2 मैदानों को **सवाना** के रूप में जाना जाता है, जबकि इसके शीतोष्ण घास के मैदानों को **वेल्ड** कहा जाता है।
 → **लानोस** मौसमी वर्षा के पैटर्न से संचालित उष्णकटिबंधीय आर्द्र-और-शुष्क जलवायु का अनुभव करता है।
 → इसलिए, लानोस को दक्षिण अफ्रीका के साथ मिलाना गलत है, जिससे विकल्प B प्रश्न का सही उत्तर बन जाता है।
Information booster:
 → **लानोस** वेनेजुएला और कोलंबिया के ओरिनोको नदी बेसिन में स्थित है।
 → **वेल्ड** दक्षिण अफ्रीका के शीतोष्ण घास के मैदान का प्रतिनिधित्व करता है।
 → **डाउन्स** दक्षिण-पूर्वी ऑस्ट्रेलिया में स्थित शीतोष्ण घास के मैदान हैं।
 → **पंपास** मुख्य रूप से अर्जेंटीना और उरुग्वे में स्थित उपजाऊ शीतोष्ण मैदान बनाते हैं।
 → **प्रेरीज** संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा में विशाल मध्य-अक्षांश शीतोष्ण क्षेत्रों को कवर करते हैं.

Q.18 निम्नलिखित घटनाओं को सही कालक्रम में व्यवस्थित कीजिए:
 I. चोरी-चौरा कांड
 II. जलियांवाला बाग हत्याकांड
 III. लाहौर कांग्रेस अधिवेशन
 IV. असहयोग आंदोलन की शुरुआत
 विकल्प:
 A. II, IV, I, III
 B. I, II, IV, III
 C. II, I, IV, III
 D. IV, II, I, III

Answer: A

Sol: सही उत्तर: (A) II, IV, I, III
स्पष्टीकरण:
 → **जलियांवाला बाग हत्याकांड (II)** अमृतसर में **13 अप्रैल 1919** को हुआ था।
 → **असहयोग आंदोलन की शुरुआत (IV)** अगस्त **1920** में हुई थी।
 → **चोरी-चौरा कांड (I)** गोरखपुर में **4 फरवरी 1922** को हुआ था।
 → **लाहौर कांग्रेस अधिवेशन (III)** जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में **दिसंबर 1929** में हुआ था।
 → इस प्रकार, सही कालक्रम **II, IV, I, III** है।
Information Booster:
 → जनरल डायर ने **जलियांवाला बाग** में निहत्थे नागरिकों पर उकसावे के बिना गोलीबारी का आदेश दिया था।
 → कांग्रेस के विशेष **कलकत्ता अधिवेशन (1920)** में असहयोग आंदोलन को मंजूरी दी गई थी।
 → चोरी चौरा हिंसा के कारण सीधे तौर पर महात्मा गांधी को असहयोग वापस लेना पड़ा।
 → **लाहौर अधिवेशन (1929)** में औपचारिक रूप से **पूर्ण स्वराज** (पूर्ण स्वतंत्रता) का प्रस्ताव अपनाया गया था।
 → लाहौर अधिवेशन के बाद 26 जनवरी 1930 को पहला स्वतंत्रता दिवस मनाया गया था।

Q.19 एक पेरिस्कोप में क्या उपयोग किया जाता है?

A. तीन गोलीय दर्पण
 B. दो गोलीय दर्पण
 C. तीन समतल दर्पण
 D. दो समतल दर्पण

Answer: D

Sol: सही उत्तर {d} है।
Explanation
 {i} एक **पेरिस्कोप** एक प्रकाशीय उपकरण है जिसका उपयोग उन वस्तुओं को देखने के लिए किया जाता है जो प्रत्यक्ष दृष्टि रेखा में नहीं हैं।
 {ii} एक साधारण पेरिस्कोप में एक-दूसरे के समानांतर रखे गए **दो समतल दर्पण** होते हैं।
 {iii} प्रत्येक दर्पण ट्यूब के अक्ष पर **45°** के कोण पर झुका होता है।
 {iv} पहला दर्पण प्रकाश को नीचे की ओर परावर्तित करता है, और दूसरा दर्पण इसे प्रेक्षक की आंख की ओर परावर्तित करता है।
 अतः, सही उत्तर **{d}** है।
Additional Information
 {i} आधुनिक पेरिस्कोप चमकीले चित्र प्राप्त करने के लिए समतल दर्पणों के स्थान पर **समकोण प्रिज्म** का उपयोग कर सकते हैं।
 {ii} पेरिस्कोप का उपयोग आमतौर पर पनडुब्बियों, टैंकों और अवलोकन चौकियों में किया जाता है।

Q.20 सॉल्ट सेंट मैरी रैपिड्स में जल-विद्युत स्टेशन किस झील के आउटलेट पर स्थित है?

- A. सुपीरियर झील
- B. इरी झील
- C. ओंटारियो झील
- D. हूरून झील

Answer: A

Sol: सही उत्तर: **(A) सुपीरियर झील**

स्पष्टीकरण:

- सॉल्ट सेंट मैरी रैपिड्स में जलविद्युत ऊर्जा स्टेशन **सेंट मैरीस नदी** पर स्थित है, जो **सुपीरियर झील** के लिए सीधे आउटलेट के रूप में कार्य करती है।
- पानी इन रैपिड्स के माध्यम से सुपीरियर झील से बाहर बहता है और **हूरून झील** में नीचे जाता है, ऊंचाई में लगभग 6 मीटर की गिरावट आती है।
- जल स्तर में यह महत्वपूर्ण गिरावट **जलविद्युत ऊर्जा** उत्पन्न करने के लिए आदर्श मजबूत पानी के सिर के दबाव बनाती है।
- प्रसिद्ध सू ताले (Soo Locks) इन रैपिड्स को बायपास करते हैं, जो **सुपीरियर झील और निचली ग्रेट लेक्स** के बीच एक नौगम्य नहर लिंक प्रदान करते हैं।

Information booster:

- **सुपीरियर झील** सतह क्षेत्र के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील है।
- **ग्रेट लेक्स प्रणाली** में सुपीरियर, मिशिगन, हूरून, इरी और ओंटारियो शामिल हैं।
- सेंट मैरीस नदी **ओंटारियो (कनाडा) और मिशिगन (यूएसए)** के बीच एक प्राकृतिक अंतरराष्ट्रीय सीमा बनाती है।
- नियाग्रा फॉल्स **इरी झील और ओंटारियो झील** के बीच नियाग्रा नदी के किनारे स्थित है।
- मिशिगन झील एकमात्र महान झील है जो **पूरी तरह से संयुक्त राज्य अमेरिका के भीतर** स्थित है।

अतिरिक्त जानकारी:

विकल्प (B) इरी झील: आउटलेट **नियाग्रा नदी** है, जो नियाग्रा फॉल्स और नियाग्रा हाइड्रो स्टेशनों के लिए प्रसिद्ध है।

विकल्प (C) ओंटारियो झील: आउटलेट **सेंट लॉरेंस नदी** है, जो अटलांटिक महासागर में संपूर्ण ग्रेट लेक्स बेसिन को अपवाहित करती है।

विकल्प (D) हूरून झील: **सेंट क्लेयर नदी, लेक सेंट क्लेयर और डेट्रायट नदी** प्रणाली के माध्यम से इरी झील से जुड़ी हुई है।

Q.21 बिहार में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सौ वर्ष का संपादन किसके द्वारा किया गया था

- A. पी. एन. ओझा
- B. के. के. दत्त
- C. बी. बी. मिश्रा
- D. ए. आर. देसाई

Answer: A

Sol: सही उत्तर **(A) पी. एन. ओझा** है

व्याख्या:

- "द हंड्रेड इयर्स ऑफ इंडियन नेशनल कांग्रेस इन बिहार (1885-1985)" शीर्षक वाले अत्यधिक व्यापक ऐतिहासिक खंड का संकलन और संपादन महान इतिहासकार डॉ. पी. एन. ओझा के सामान्य संपादन के तहत किया गया था।
- यह स्मारकीय कार्य आधिकारिक रूप से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के ऐतिहासिक शताब्दी समारोह को मनाने के लिए पटना में काशी प्रसाद जायसवाल अनुसंधान संस्थान द्वारा अधिकृत और प्रकाशित किया गया था।
- पाठ स्वतंत्रता संग्राम में बिहार की मूलभूत भूमिका का एक विस्तृत, अच्छी तरह से शोधित इतिहास प्रदान करता है, जिसमें यह प्रलेखित है कि कैसे शुरुआती राष्ट्रवादी विचार प्रमुख आंदोलनों के दौरान ग्रामीण जनता को प्रेरित करने के लिए शहरी केंद्रों से फैले।

Information Booster:

- डॉ. पी. एन. ओझा एक प्रख्यात शिक्षाविद और विद्वान थे जो मध्यकालीन और आधुनिक भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक इतिहास में विशेषज्ञ थे, जिन्होंने बिहार भर के प्रमुख अनुसंधान निकायों और विश्वविद्यालय विभागों का नेतृत्व किया।
- काशी प्रसाद जायसवाल अनुसंधान संस्थान (KPJRI) की स्थापना बिहार सरकार द्वारा अक्टूबर 1950 में क्षेत्रीय और राष्ट्रीय महत्व के ऐतिहासिक, संस्थागत और पुरातात्विक अध्ययनों को बढ़ावा देने के लिए की गई थी।
- बिहार भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के लिए एक केंद्रीय मंच था, जिसने 1912 में ऐतिहासिक बांकीपुर (पटना) INC सत्र की मेजबानी की और चंपारण में महात्मा गांधी के पहले सत्याग्रह के लिए प्राथमिक लॉन्चिंग पैड के रूप में कार्य किया।

Additional Knowledge:

- के. के. दत्त (विकल्प B): बिहार के एक बड़े समकालीन इतिहासकार जिन्होंने प्रसिद्ध तीन-खंड वाली उत्कृष्ट कृति "हिस्ट्री ऑफ द फ्रीडम मूवमेंट इन बिहार" लिखी, जो ऐतिहासिक शोधकर्ताओं के लिए एक आधिकारिक स्रोत कोड बनी हुई है।
- बी. बी. मिश्रा (विकल्प C): एक अत्यधिक सम्मानित संस्थागत इतिहासकार जिन्होंने भारतीय मध्यम वर्गों और नौकरशाही के सामाजिक परिवर्तनों, संरचनात्मक विकास और विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए गहन विश्लेषणात्मक अध्ययन तैयार किए।
- ए. आर. देसाई (विकल्प D): एक महान भारतीय समाजशास्त्री जो "सोशल बैकग्राउंड ऑफ इंडियन नेशनलिज्म" नामक अपने प्रभावशाली मार्क्सवादी ऐतिहासिक विश्लेषण के लिए प्रसिद्ध हैं, जो औपनिवेशिक विरोधी संघर्ष के पीछे की आर्थिक ताकतों की जांच करता है।

Q.22 भारतीय संविधान की दी गई अनुसूचियों में से किसमें दलबदल विरोधी कानून से संबंधित प्रावधान शामिल हैं?

- A. छठी अनुसूची
- B. ग्यारहवीं अनुसूची
- C. सातवीं अनुसूची
- D. दसवीं अनुसूची

Answer: D

Sol: सही उत्तर **(D) दसवीं अनुसूची** है।

व्याख्या:

- भारतीय संविधान की दसवीं अनुसूची में दलबदल विरोधी कानून से संबंधित व्यापक कानूनी प्रावधान शामिल हैं।
- इसे राजीव गांधी के प्रधानमंत्रित्व काल के दौरान 52वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1985 द्वारा संविधान में शामिल किया गया था।
- यह कानून एक राजनीतिक दल से दूसरे राजनीतिक दल में दलबदल के आधार पर विधायकों (सांसदों और विधायकों) को अयोग्य घोषित करने के मानदंड और प्रक्रिया को निर्धारित करता है।
- संबंधित सदन के पीठासीन अधिकारी (अध्यक्ष या सभापति) को दसवीं अनुसूची के तहत अयोग्यता के मामलों का फैसला करने का वैधानिक अधिकार निहित है।

Information Booster:

- 91वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 ने 'विभाजन' (एक तिहाई सदस्यों) के मामले में अयोग्यता से छूट से संबंधित प्रावधान को हटाकर दसवीं अनुसूची में संशोधन किया।
- अब, विलय के लिए विधायिका दल के कम से कम दो-तिहाई सदस्यों को अयोग्यता का सामना किए बिना किसी अन्य दल में विलय करने के लिए सहमत होना पड़ता है।
- ऐतिहासिक किहोतो होलोहन मामले (1992) में, सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि दसवीं अनुसूची के तहत अध्यक्ष का निर्णय न्यायिक समीक्षा के अधीन है।

Additional Knowledge:

- छठी अनुसूची (विकल्प A): चार पूर्वोत्तर राज्यों: असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम में जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन से संबंधित प्रावधान शामिल हैं।
- ग्यारहवीं अनुसूची (विकल्प B): 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 द्वारा जोड़ी गई; इसमें पंचायतों के अधिकार क्षेत्र के तहत 29 कार्यात्मक विषय शामिल हैं।
- सातवीं अनुसूची (विकल्प C): तीन सूचियों: संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची के माध्यम से संघ और राज्यों के बीच विधायी शक्तियों के वितरण से संबंधित है।

Q.23 किस नदी को बिहार का शोक कहा जाता है?

- A. सोन
- B. गंडक
- C. कोसी
- D. दामोदर

Answer: C

Sol: सही उत्तर है: **(C) कोसी**

Explanation:

- कोसी नदी को बार-बार आने वाली विनाशकारी बाढ़ और मार्ग बदलने की प्रवृत्ति के कारण **बिहार का शोक** कहा जाता है।
- यह उच्च हिमालय से भारी मात्रा में गाद लाती है, जिससे नदी का तल ऊँचा हो जाता है और अक्सर तटबंध टूट जाते हैं।
- यह तिब्बत/नेपाल (सप्तकोशी के रूप में जानी जाने वाली सात ऊपरी सहायक नदियों द्वारा निर्मित) में उत्पन्न होने वाली एक सीमा पार नदी है।
- यह बिहार के कटिहार जिले में कुर्सेला के पास **गंगा नदी** में मिलती है।

Information Booster:

- डीवीसी के तहत बांधों के निर्माण से पहले ऐतिहासिक रूप से **दामोदर नदी** को **बंगाल का शोक** कहा जाता था।
- बाढ़ को नियंत्रित करने के लिए भारत-नेपाल सीमा के पास भीमनगर में **कोसी बैराज** का निर्माण किया गया था।
- पिछली दो शताब्दियों के दौरान कोसी नदी अपना मार्ग 100 किमी से अधिक पश्चिम की ओर स्थानांतरित कर चुकी है।
- कोसी की प्रमुख सहायक नदियों में **अरुण, सुन कोसी** और **तामुर** शामिल हैं।

Additional Information:

विकल्प (A) सोन: अमरकंटक से निकलने वाली गंगा की एक प्रमुख दाहिने किनारे की सहायक नदी, जो विनाशकारी मार्ग बदलने वाली बाढ़ के बजाय रेत के भंडार के लिए जानी जाती है।

विकल्प (B) गंडक: नेपाल में उत्पन्न होने वाली गंगा के बाएँ किनारे की सहायक नदी, जो शालिग्राम पत्थरों के लिए जानी जाती है, न कि बिहार के शोक के लिए।

विकल्प (D) दामोदर: हुगली नदी की सहायक नदी, जिसे ऐतिहासिक रूप से **बंगाल का शोक** कहा जाता है।

Q.24 प्रतिभूति बाजार में साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए किस नियामक निकाय ने अगस्त 2026 में **'SEBI इंसिडेंट रिपोर्टिंग'** और **'साइबर सुरक्षा'** पोर्टल लॉन्च किए?

- A. भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)
- B. भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI)
- C. भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI)
- D. पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (PFRDA)

Answer: C

Sol: सही उत्तर: **(c) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI)**

व्याख्या:

- SEBI** ने संपूर्ण प्रतिभूति बाजार पारिस्थितिक तंत्र में साइबर सुरक्षा और सूचना साझाकरण को मजबूत करने के लिए **'SEBI इंसिडेंट रिपोर्टिंग'** और **'साइबर सुरक्षा'** पोर्टल लॉन्च किए।
- SEBI इंसिडेंट रिपोर्टिंग पोर्टल** का उद्देश्य साइबर घटना रिपोर्टिंग को अधिक **संरचित, समयबद्ध और कार्रवाई योग्य** बनाना है।
- साइबर सुरक्षा पोर्टल** साइबर सुरक्षा जानकारी और घटना से संबंधित अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए एक केंद्रीय मंच के रूप में कार्य करता है।

Information Booster:

- इंसिडेंट रिपोर्टिंग पोर्टल **वित्तीय स्थिरता बोर्ड (FSB) के इंसिडेंट रिपोर्टिंग एक्सचेंज प्रारूप (FIRE)** के अनुरूप है।
- यह संरखण **साइबर घटनाओं की जानकारी के सुचारू सीमा पार आदान-प्रदान** को सुगम बनाता है।
- यह पोर्टल SEBI के **साइबर रक्षा संगोष्ठी (सिम्पोज़ियम ऑन साइबर डिफेंस)** के दौरान लॉन्च किए गए, जो **17-21 अगस्त 2026** तक मुंबई में आयोजित हुआ था।

Additional Knowledge:

- SEBI के अध्यक्ष तुहिन कांत पांडे ने **NISM** पातालगंगा परिसर में **RegTech** लैब का भी उद्घाटन किया।
- RegTech लैब का उद्देश्य नियामक अनुपालन और प्रतिभूति-बाजार विनियमन में **प्रौद्योगिकी-सक्षम शिक्षण** को बढ़ावा देना है।
- **NISM** का अर्थ **नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ सिक्योरिटीज मार्केट्स** है।

Q.25 इब्र बतूता ने किस दिल्ली सुल्तान के अधीन काजी के रूप में कार्य किया?

- A. इल्तुतमिश
- B. मुहम्मद बिन तुगलक
- C. फिरोज शाह तुगलक
- D. अलाउद्दीन खिलजी

Answer: B

Sol: सही उत्तर: **(B) मुहम्मद बिन तुगलक**

स्पष्टीकरण:

- मोरक्को के यात्री इब्र बतूता को सुल्तान **मुहम्मद बिन तुगलक** द्वारा **दिल्ली का काजी (न्यायाधीश)** नियुक्त किया गया था।
- इस्लामी न्यायशास्त्र (शरिया) में अपनी विशेषज्ञता के कारण उन्होंने लगभग छह वर्षों तक इस प्रशासनिक पद को संभाला।
- बाद में, मुहम्मद बिन तुगलक ने उन्हें 1342 में **चीन में युआन राजवंश दरबार** में अपने दूत के रूप में भेजा।
- इब्र बतूता ने **रिहला** नामक अपने प्रसिद्ध यात्रा वृत्तांत में भारत के बारे में अपनी टिप्पणियों को दर्ज किया।

Information Booster:

- इब्र बतूता उत्तरी अफ्रीका और पश्चिम एशिया की यात्रा करने के बाद **1333 ईस्वी** में सिंध पहुँचा।
- उनकी पुस्तक **रिहला** डाक प्रणालियों, व्यापार, समाज और तुगलक शासन का विस्तृत विवरण प्रदान करती है।
- मुहम्मद बिन तुगलक राजधानी को **दौलताबाद** स्थानांतरित करने सहित पांच विवादास्पद प्रयोगों के लिए प्रसिद्ध है।
- सुल्तान ने 1329-30 में तांबे और पीतल से बनी एक **टोकन मुद्रा प्रणाली** की शुरुआत की।
- इब्र बतूता ने घोड़ा डाक (उलुक) और पैदल डाक (दावा) में विभाजित भारतीय डाक नेटवर्क का वर्णन किया।

Additional Information:

विकल्प (A) इल्तुतमिश: दिल्ली सल्तनत के वास्तविक संस्थापक जिन्होंने **इक्ता प्रणाली** और **चहलगानी** की शुरुआत की।

विकल्प (C) फिरोज शाह तुगलक: नहर नेटवर्क, अस्पतालों (दार-उल-शफा) और सार्वजनिक कार्यों की स्थापना के लिए जाने जाते हैं।

विकल्प (D) अलाउद्दीन खिलजी: सख्त **बाजार नियंत्रण नीतियों**, घोड़ों की ब्रांडिंग (दाग), और वर्णनात्मक हुलिया (चेहरा) की शुरुआत की।

Q.26 निम्नलिखित में से किस संविधान संशोधन ने भारत में पंचायतों से संबंधित भाग IX पेश किया?

- A. 44वां संशोधन
- B. 73वां संशोधन
- C. 42वां संशोधन
- D. 86वां संशोधन

Answer: B

Sol: सही उत्तर **(B) 73वां संशोधन** है

Explanation:

- 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 ने भारत के संविधान में "पंचायत" नामक भाग IX जोड़ा।
- इस ऐतिहासिक कानून ने ग्रामीण स्थानीय स्वशासन संस्थाओं (पंचायती राज संस्थाओं) को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया।
- इसने अनुच्छेद 243 से 243O जोड़े और 11वीं अनुसूची को शामिल किया, जिसमें पंचायतों को सौंपे गए 29 कार्यात्मक मामले शामिल हैं।
- यह अधिनियम 24 अप्रैल, 1993 को लागू हुआ, जिसे भारत में प्रतिवर्ष राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- इसने एक अनिवार्य त्रि-स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था स्थापित की: ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, ब्लॉक स्तर पर पंचायत समिति, और जिला स्तर पर जिला परिषद।

Information Booster:

- यह सभी ग्रामीण स्थानीय निकायों में निर्णय लेने के स्तरों पर महिलाओं के लिए न्यूनतम 33% (एक-तिहाई) सीटों के आरक्षण को अनिवार्य करता है।
- नियमित 5-वर्षीय चुनावों के लिए एक स्वतंत्र राज्य चुनाव आयोग (अनुच्छेद 243K) और हर 5 वर्ष में एक राज्य वित्त आयोग (अनुच्छेद 243I) स्थापित करना अनिवार्य करता है।
- बलवंत राय मेहता समिति (1957) भारत में त्रि-स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था की सिफारिश करने वाली पहली समिति थी।
- राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों (DPSP) में अनुच्छेद 40 ने ग्राम पंचायतों के संगठन के लिए निर्देश निर्धारित किया।

Additional Knowledge:

- **44वां संशोधन (विकल्प A):** 1978 में अधिनियमित; आपातकाल के बाद मौलिक अधिकारों के सुरक्षा उपायों को बहाल किया और मौलिक अधिकारों से संपत्ति के अधिकार को हटा दिया।
- **42वां संशोधन (विकल्प C):** इसे 'लघु संविधान' (1976) के रूप में जाना जाता है; प्रस्तावना में समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, अखंडता शब्द जोड़े और मौलिक कर्तव्यों (भाग IV-A) को शामिल किया।
- **86वां संशोधन (विकल्प D):** 2002 में अधिनियमित; अनुच्छेद 21A सम्मिलित किया गया जो 6 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा को एक मौलिक अधिकार बनाता है।

Q.27 भारतीय स्वतंत्रता के बाद, सामुदायिक विकास कार्यक्रम किस वर्ष शुरू किया गया था?

- A. 1952

- B. 1964
- C. 1982
- D. 1985

Answer: A

Sol: सही उत्तर (A) 1952 है

व्याख्या:

- सामुदायिक विकास कार्यक्रम (CDP) आधिकारिक तौर पर भारत में 2 अक्टूबर, 1952 (महात्मा गांधी की जयंती पर) शुरू किया गया था।
- यह स्वतंत्रता के बाद के भारत में समग्र ग्रामीण पुनर्निर्माण, सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन और कृषि उन्नति के उद्देश्य से एक प्रमुख व्यापक पहल थी।
- यह कार्यक्रम भारत-अमेरिका तकनीकी सहयोग समझौते के तहत परिचालन और वित्तीय सहायता के साथ प्रथम पंचवर्षीय योजना (1951-1956) के दौरान शुरू किया गया था।
- CDP ने प्रमुख ग्रामीण पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया: कृषि, पशुपालन, ग्रामीण संचार, स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा और सामाजिक कल्याण।
- जमीनी स्तर पर कार्यक्रम को लागू करने के लिए, ग्रामीण क्षेत्रों को 'विकास खंडों' में विभाजित किया गया था, जिसका नेतृत्व ग्राम स्तर के कार्यकर्ताओं (ग्राम सेवकों) के साथ एक खंड विकास अधिकारी (BDO) करता था।

Information Booster:

- 1953 में, राष्ट्रीय विस्तार सेवा (NES) को ग्रामीण विस्तार सेवाओं के लिए बुनियादी प्रशासनिक संरचनाएं प्रदान करने के लिए एक सहायक पहल के रूप में शुरू किया गया था।
- 1957 में, भारत सरकार ने सामुदायिक विकास कार्यक्रम और राष्ट्रीय विस्तार सेवा के कामकाज की जांच के लिए बलवंत राय मेहता समिति का गठन किया।
- बलवंत राय मेहता समिति ने रिपोर्ट दी कि CDP में लोकप्रिय सामुदायिक भागीदारी की कमी थी और उन्होंने 'लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण' की सिफारिश की, जिसके परिणामस्वरूप 3-स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था का निर्माण हुआ।
- राजस्थान 2 अक्टूबर, 1959 को नागौर जिले में पंचायती राज व्यवस्था स्थापित करने वाला भारत का पहला राज्य बना।
- 1992 के 73वें और 74वें संविधान संशोधन अधिनियमों ने आखिरकार भारत में ग्रामीण और शहरी स्थानीय स्व-सरकारों को औपचारिक संवैधानिक दर्जा दिया।

Additional Knowledge:

- 1964 (विकल्प B): भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (IDBI) और केंद्रीय सतर्कता आयोग (CVC) जैसे प्रमुख वित्तीय और विकासात्मक संस्थानों की स्थापना द्वारा चिह्नित।
- 1982 (विकल्प C): बी. शिवरामन समिति की सिफारिश के आधार पर 12 जुलाई, 1982 को नाबार्ड (राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक) की स्थापना के लिए प्रसिद्ध।
- 1985 (विकल्प D): ग्रामीण गरीबों को आवास प्रदान करने के लिए जवाहर रोजगार योजना की एक उप-योजना के रूप में इंदिरा आवास योजना (IAY) के शुभारंभ द्वारा चिह्नित।

Q.28 "अपक्षय आवरण" (वेदरिंग मेंटल) की गहराई को किसमें एक कारक के रूप में उद्धृत किया गया है?

- A. छाया क्षेत्र में P-वेव की दिशा
- B. रिंग ऑफ फायर पर ज्वालामुखीय आवृत्ति
- C. पृथ्वी के घूर्णन की गति
- D. क्षेत्रीय बायोम और जैव विविधता

Answer: D

Sol: सही उत्तर: (D) क्षेत्रीय बायोम और जैव विविधता

स्पष्टीकरण:

- **अपक्षय आवरण** (रेगोलिथ परत) में बिना अपक्षय वाली आधारशिला के ऊपर बैठे ढीले, अपक्षयित चट्टान के मलबे होते हैं।
- इसकी गहराई मिट्टी के निर्माण, पोषक तत्वों की उपलब्धता और **पौधे के विकास** को बनाए रखने के लिए आवश्यक जल-धारण क्षमता को तय करती है।
- नम उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में गहरे अपक्षय आवरण समृद्ध प्राथमिक वनस्पति का समर्थन करते हैं, जो विविध **क्षेत्रीय बायोम और जैव विविधता** की स्थापना को बढ़ावा देते हैं।
- नतीजतन, अपक्षयित सामग्री की मोटाई सीधे तौर पर स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र में पारिस्थितिक उत्पादकता और प्रजातियों की समृद्धि तय करती है।

Information booster:

- सबसे गहरे अपक्षय आवरण गर्म, नम उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों जैसे तीव्र **रासायनिक अपक्षय** के कारण भूमध्यरेखीय वर्षावनों में होते हैं।
- ठंडे या शुष्क क्षेत्रों (मरुस्थल, टुंड्रा) में न्यूनतम **रासायनिक टूटने** के कारण अत्यधिक पतले अपक्षय आवरण होते हैं।
- अपक्षयित रेगोलिथ और बिना अपक्षय वाली आधारशिला के बीच के इंटरफेस को **अपक्षय मोर्चे** के रूप में जाना जाता है।
- रासायनिक अपक्षय प्रक्रियाओं में **जलयोजन, ऑक्सीकरण, कार्बोनेशन और हाइड्रोलिसिस** शामिल हैं।
- गहरा रेगोलिथ भूजल को संग्रहीत करता है जो **शुष्क मौसम** के दौरान पौधे के समुदायों को बफर करने में मदद करता है।

Q.29 मानव शरीर में विटामिन K की गंभीर कमी मुख्य रूप से निम्नलिखित में से किस स्थिति का कारण बनती है?

- A. रतौंधी
- B. स्कर्वी
- C. रक्त का थक्का जमने में देरी
- D. रिकेट्स

Answer: C

Sol: सही उत्तर है (C) रक्त का थक्का जमने में देरी

Explanation:

- विटामिन K एक आवश्यक वसा-घुलनशील विटामिन है जो मानव शरीर के जमावट (रक्त के थक्के) मार्गों में बिल्कुल महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- यह कई प्रमुख प्रोटीनों के संश्लेषण के लिए आवश्यक कोएंजाइम के रूप में कार्य करता है, विशेष रूप से 'प्रोथ्रोम्बिन', जिसे यकृत रक्त के थक्के बनाने के लिए उत्पन्न करता है।
- विटामिन K की गंभीर कमी का अर्थ है कि इन थक्के कारकों का उत्पादन नहीं किया जा सकता है। परिणामस्वरूप, एक व्यक्ति को रक्त का थक्का जमने में देरी का अनुभव होता

है, जिसके परिणामस्वरूप मामूली कटौती या आंतरिक चोटों से भी अत्यधिक रक्तस्राव या हेमरेज होता है।

Information Booster:

- **नवजात शिशु:** शिशु विटामिन K के बहुत कम स्तर के साथ पैदा होते हैं। 'विटामिन K की कमी से रक्तस्राव' (VKDB) नामक घातक रक्तस्राव की स्थिति को रोकने के लिए, जन्म के तुरंत बाद विटामिन K का इंजेक्शन देना मानक वैश्विक चिकित्सा पद्धति है।
- **प्राकृतिक स्रोत:** यह पालक, केल और ब्रोकोली जैसी गहरे हरे रंग की पत्तेदार सब्जियों में अत्यधिक प्रचुर मात्रा में होता है।

Additional Knowledge:

- **रतौंधी (विकल्प A):** विटामिन A (रेटिनॉल) की गंभीर कमी के कारण होता है।
- **स्कर्वी (विकल्प B):** विटामिन C (एस्कॉर्बिक एसिड) की पुरानी कमी के कारण होता है।
- **रिकेट्स (विकल्प D):** बच्चों में हड्डी को नरम करने वाली स्थिति जो विटामिन D की गंभीर कमी के कारण होती है।

Q.30 1857 के विद्रोह को “सभ्यता और बर्बरता” के बीच का संघर्ष किसने कहा था?

- A. वी. डी. सावरकर
- B. जॉन विलियम के
- C. आर. सी. मजूमदार
- D. टी. आर. होम्स

Answer: D

Sol: सही उत्तर: (D) टी. आर. होम्स

स्पष्टीकरण:

- ब्रिटिश इतिहासकार **टी. आर. होम्स** ने 1857 के विद्रोह को '**सभ्यता और बर्बरता**' के बीच संघर्ष के रूप में चित्रित किया।
- इस यूरोसेंट्रिक दृष्टिकोण ने ब्रिटिश शासन को सभ्यता और भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों को असभ्य विद्रोहियों के रूप में चित्रित किया।
- इस तरह की साम्राज्यवादी व्याख्याओं का उद्देश्य ब्रिटिश सैन्य दमन और औपनिवेशिक प्रभुत्व को उचित ठहराना था।
- राष्ट्रवादी भारतीय इतिहासकारों ने बाद के ऐतिहासिक अध्ययनों में इस विशेषता को दृढ़ता से खारिज कर दिया।

Information Booster:

- **वी. डी. सावरकर** ने अपनी 1909 की पुस्तक में विद्रोह को '**द इंडियन वॉर ऑफ इंडिपेंडेंस 1857**' कहा।
- **सर जॉन विलियम के** ने '**हिस्ट्री ऑफ द सिपाही वॉर इन इंडिया**' लिखी।
- **आर. सी. मजूमदार** ने कहा कि यह 'न तो पहला, न ही राष्ट्रीय, और न ही स्वतंत्रता संग्राम था'।
- **बेंजामिन डिजरायली** ने इसे 'एक राष्ट्रीय विद्रोह, न कि एक सिपाही विद्रोह' के रूप में वर्णित किया।
- **एस. एन. सेन** ने भारत सरकार के लिए '**1857**' नामक आधिकारिक इतिहास लिखा।

Q.31 क्लोर-क्षार प्रक्रिया (chlor-alkali process) के बारे में सही कथन की पहचान करें:

- A. इसका उपयोग ब्राइन (brine) के विद्युत अपघटन द्वारा Na2CO3 विलयन तैयार करने के लिए किया जाता है।
- B. कैथोड पर हाइड्रोजन गैस और एनोड पर क्लोरीन गैस बनती है।
- C. विद्युत अपघटन के दौरान एनोड के पास सोडियम हाइड्रॉक्साइड उत्पन्न होता है।
- D. एनोड पर NaOH बनता है और कैथोड पर क्लोरीन गैस बनती है।

Answer: B

Sol: सही उत्तर है: (B) कैथोड पर हाइड्रोजन गैस और एनोड पर क्लोरीन गैस बनती है।

Explanation:

- क्लोर-क्षार प्रक्रिया सोडियम क्लोराइड विलयन (ब्राइन) का औद्योगिक विद्युत अपघटन है।
- जब NaCl के जलीय विलयन से बिजली प्रवाहित की जाती है, तो यह सोडियम हाइड्रॉक्साइड (NaOH), क्लोरीन गैस (Cl2), और हाइड्रोजन गैस (H2) बनाने के लिए विघटित हो जाता है।
- इस विद्युत अपघटन के दौरान, क्लोराइड आयन क्लोरीन गैस छोड़ने के लिए धनात्मक इलेक्ट्रोड (एनोड) पर ऑक्सीकृत हो जाते हैं, जबकि हाइड्रोजन गैस छोड़ने के लिए पानी ऋणात्मक इलेक्ट्रोड (कैथोड) पर अपचयित हो जाता है।

Information Booster:

- **नाम की उत्पत्ति:** इस प्रक्रिया को इसका नाम इसके उत्पादों से मिलता है: क्लोरीन के लिए क्लोर और सोडियम हाइड्रॉक्साइड के लिए क्षार।
- **सोडियम हाइड्रॉक्साइड का निर्माण:** NaOH विलयन कैथोड के पास बनता है, एनोड के पास नहीं।
- **औद्योगिक उपयोग:** क्लोरीन का उपयोग जल उपचार और PVC के लिए किया जाता है; हाइड्रोजन का उपयोग ईंधन और मार्जरीन के लिए किया जाता है; NaOH का उपयोग साबुन, डिटरजेंट और कागज बनाने के लिए किया जाता है।

Additional Knowledge:

- **विकल्प A (Na2CO3 तैयार करना):** गलत। सॉल्वे (Solvay) प्रक्रिया का उपयोग सोडियम कार्बोनेट (Na2CO3) तैयार करने के लिए किया जाता है, न कि क्लोर-क्षार प्रक्रिया का।
- **विकल्प C और D (एनोड पर NaOH/कैथोड पर क्लोरीन):** गलत। सोडियम हाइड्रॉक्साइड कैथोड के पास बनता है क्योंकि सोडियम आयन और हाइड्रॉक्साइड आयन वहां जमा होते हैं। क्लोरीन एनोड पर बनती है।

Q.32 भारतीय संविधान में संघवाद निम्नलिखित में से किस देश से लिया गया है?

- A. यूएसए (USA)
- B. कनाडा
- C. ऑस्ट्रेलिया
- D. इटली

Answer: B

Sol: सही उत्तर **(B) कनाडा** है।

व्याख्या:

- भारतीय संघवाद की विशिष्ट संरचनात्मक डिजाइन—एक मजबूत केंद्र सरकार के साथ एक अर्ध-संघीय प्रणाली—कनाडाई मॉडल से अत्यधिक उधार ली गई है।
- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 1 भारत को 'राज्यों का संघ' के रूप में वर्णित करता है, जो कनाडाई पैटर्न को दर्शाता है जहां राज्यों को संघ से अलग होने का अधिकार नहीं है।
- भारतीय संविधान में शामिल कनाडाई प्रमुख विशेषताओं में शामिल हैं: केंद्र में अवशिष्ट शक्तियों का निहित होना, केंद्र द्वारा राज्य के राज्यपालों की नियुक्ति, और अनुच्छेद 143 के तहत सर्वोच्च न्यायालय का एडवाइजरी (सलाहकारी) क्षेत्राधिकार।
- संविधान सभा ने राष्ट्रीय एकता, अखंडता और प्रशासनिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए अमेरिकी मॉडल की तुलना में कनाडाई संघीय पैटर्न को प्राथमिकता दी।

Information Booster:

- के.सी. व्हेयर ने संघीय संरचना और मजबूत केंद्रीय प्रवृत्तियों के विशिष्ट संयोजन के कारण भारतीय संविधान को 'अर्ध-संघीय' (Quasi-Federal) के रूप में वर्णित किया था।
- एस.आर. बोम्मई मामले (1994) में, सर्वोच्च न्यायालय ने घोषणा की कि संघवाद भारतीय संविधान की एक अनिवार्य मूल संरचनात्मक विशेषता है।
- कनाडाई संविधान से ली गई विशेषताएं: एक मजबूत केंद्र के साथ संघ, केंद्र के पास अवशिष्ट शक्तियां, राज्य के राज्यपालों की नियुक्ति, सर्वोच्च न्यायालय का सलाहकारी क्षेत्राधिकार।

Additional Knowledge:

- यूएसए (विकल्प A): मौलिक अधिकारों, न्यायिक समीक्षा, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, राष्ट्रपति पर महाभियोग और न्यायाधीशों को हटाने का स्रोत; अमेरिकी संघवाद स्वतंत्र राज्यों के बीच एक संविदात्मक समझौता है।
- ऑस्ट्रेलिया (विकल्प C): समवर्ती सूची, व्यापार, वाणिज्य और समागम की स्वतंत्रता, और अनुच्छेद 108 के तहत संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक का स्रोत।
- इटली (विकल्प D): भारत के संविधान ने इटली से प्रमुख संवैधानिक तंत्र या संघीय विशेषताएं नहीं ली हैं।

Q.33 मानव परिसंचरण तंत्र के भीतर, निम्नलिखित में से कौन सी रक्त वाहिका विशिष्ट रूप से हृदय से फेफड़ों तक सीधे डीऑक्सीजनेटेड रक्त ले जाती है?

- A. महाधमनी
- B. फुफ्फुसीय शिरा
- C. सुपीरियर वेना कावा
- D. फुफ्फुसीय धमनी

Answer: D

Sol: सही उत्तर **(D) फुफ्फुसीय धमनी** है

स्पष्टीकरण:

- सामान्य शारीरिक परिभाषा के अनुसार, धमनियां ऐसी रक्त वाहिकाएं हैं जो हृदय से रक्त *दूर* ले जाती हैं, जबकि नसें रक्त को हृदय *वापस* लाती हैं। प्रणालीगत परिसंचरण में, धमनियां ऑक्सीजन से भरपूर रक्त ले जाती हैं, और नसें ऑक्सीजन से कम रक्त ले जाती हैं।
- हालांकि, फुफ्फुसीय परिसंचरण इस नियम को पूरी तरह से पलट देता है। **फुफ्फुसीय धमनी** विशिष्ट रूप से हृदय के दाहिने निलय से फेफड़ों तक सीधे डीऑक्सीजनेटेड (ऑक्सीजन-गरीब) रक्त ले जाती है, जहाँ यह कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ती है और ताजा ऑक्सीजन उठाती है।
- यह पूरे मानव शरीर की एकमात्र प्रमुख धमनी है जो डीऑक्सीजनेटेड रक्त ले जाने का कार्य करती है।

Information Booster:

- प्रतिरूप:** इसके विपरीत, फुफ्फुसीय शिराएं शरीर की एकमात्र प्रमुख नसें हैं जो अत्यधिक ऑक्सीजन युक्त रक्त ले जाती हैं, फेफड़ों से ताजा ऑक्सीजन युक्त रक्त को हृदय के बाएं आलिंद में वापस लाती हैं।

Additional Knowledge:

- महाधमनी (विकल्प A):** विशाल मुख्य धमनी जो बाएं निलय से शरीर के बाकी हिस्सों में ताजा ऑक्सीजन युक्त रक्त ले जाती है।
- सुपीरियर वेना कावा (विकल्प C):** एक बड़ी नस जो शरीर के ऊपरी आधे हिस्से (सिर, गर्दन, बाहों) से डीऑक्सीजनेटेड रक्त को हृदय के दाहिने आलिंद में वापस लाती है।

Q.34 1931 के किस प्रस्ताव ने सामाजिक और आर्थिक न्याय के उद्देश्यों को बढ़ावा देने वाले भारत के राज्य के नीति निदेशक सिद्धांतों को महत्वपूर्ण रूप से प्रेरित किया?

- A. कराची प्रस्ताव
- B. लखनऊ प्रस्ताव
- C. दिल्ली प्रस्ताव
- D. लाहौर प्रस्ताव

Answer: A

Sol: सही उत्तर (A) कराची प्रस्ताव है

- व्याख्या:**
- मार्च 1931 में आयोजित भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कराची अधिवेशन में मौलिक अधिकारों और आर्थिक नीति पर ऐतिहासिक प्रस्ताव अपनाया गया था।
 - सरदार वल्लभभाई पटेल की अध्यक्षता में, इस सत्र ने स्वतंत्र भारत के लिए एक सामाजिक-आर्थिक चार्टर का मसौदा तैयार किया।
 - मुख्य रूप से जवाहरलाल नेहरू द्वारा तैयार किए गए प्रस्ताव में कहा गया था कि "राजनीतिक स्वतंत्रता में भूखे लाखों लोगों की आर्थिक स्वतंत्रता शामिल होनी चाहिए।"
 - इसने प्रमुख उद्योगों के राज्य स्वामित्व, श्रमिकों के अधिकारों के संरक्षण, निर्वाह मजदूरी (living wages), कृषि सुधार और जमींदारी प्रथा के उन्मूलन की वकालत की।
 - इन आर्थिक प्रतिज्ञाओं ने भारतीय संविधान के भाग IV (राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत) के लिए मूलभूत सिद्धांत रखे।
 - NCERT कक्षा 12 इतिहास (भारतीय इतिहास के कुछ विषय - भाग III, अध्याय 13 और 15) में विस्तृत है।
- Information Booster:**
- भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की फाँसी के कुछ समय बाद ही कराची अधिवेशन हुआ, और इसने आधिकारिक तौर पर गांधी-इरविन समझौते का समर्थन किया।
 - यह पहला उदाहरण था जहाँ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने परिभाषित किया कि 'स्वराज' में श्रमिकों और किसानों के लिए क्या शामिल होगा।
 - प्रमुख आर्थिक मांगों में भू-राजस्व में कमी, अलाभकारी जोत के लिए लगान में छूट, और ग्रामीण ऋण से राहत शामिल थी।
 - इसने भाषण, प्रेस, सभा की स्वतंत्रता और कानून के समक्ष समानता सहित मौलिक नागरिक स्वतंत्रता की गारंटी दी।
 - कराची प्रस्ताव के सामाजिक न्याय ढांचे ने सीधे तौर पर संवैधानिक अनुच्छेदों 38, 39, 41, 42 और 43 को प्रेरित किया।
- Additional Knowledge:**
- **लखनऊ प्रस्ताव (विकल्प B):** 1916 के लखनऊ अधिवेशन में पारित, संयुक्त संवैधानिक मांगों को प्रस्तुत करने के लिए कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच लखनऊ समझौते के लिए प्रसिद्ध।
 - **दिल्ली प्रस्ताव (विकल्प C):** विभिन्न क्षेत्रीय प्रस्तावों (जैसे, 1927 के दिल्ली प्रस्ताव) को संदर्भित करता है, न कि आर्थिक अधिकार चार्टर को।
 - **लाहौर प्रस्ताव (विकल्प D):** 1929 के लाहौर कांग्रेस अधिवेशन ने राष्ट्रीय उद्देश्य के रूप में 'पूर्ण स्वराज' (पूर्ण स्वतंत्रता) की घोषणा की, जिसके परिणामस्वरूप 26 जनवरी, 1930 को स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।

Q.35 सूची-I का सूची-II के साथ मिलान करें:

सूची-I	सूची-II
[A] मेक इन इंडिया	[I] 25 जून, 2015
[B] स्वच्छ भारत मिशन	[II] 25 सितंबर, 2014
[C] स्मार्ट सिटी मिशन	[III] 20 नवंबर, 2016
[D] प्रधानमंत्री आवास योजना [ग्रामीण]	[IV] 2 अक्टूबर, 2014

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

- A. [A]-[III]; [B]-[IV]; [C]-[II]; [D]-[III]
- B. [A]-[IV]; [B]-[III]; [C]-[III]; [D]-[I]
- C. [A]-[III]; [B]-[IV]; [C]-[II]; [D]-[I]
- D. [A]-[II]; [B]-[IV]; [C]-[III]; [D]-[I]

Answer: A

Sol: सही उत्तर (A) [A]-[III]; [B]-[IV]; [C]-[II]; [D]-[III] है

- व्याख्या:**
- मेक इन इंडिया [A] भारत सरकार द्वारा 25 सितंबर 2014 [II] को भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र में बदलने के लिए शुरू किया गया था।
 - स्वच्छ भारत मिशन [B] 2 अक्टूबर 2014 [IV] को महात्मा गांधी की जयंती पर सार्वभौमिक स्वच्छता और साफ-सफाई प्राप्त करने के लिए शुरू किया गया था।
 - पूरे भारत में 100 स्मार्ट शहरों का विकास करके आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए 25 जून 2015 [I] को स्मार्ट सिटी मिशन [C] शुरू किया गया था।
 - देश के ग्रामीण क्षेत्रों में सभी के लिए आवास प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना [ग्रामीण] [D] आधिकारिक तौर पर 20 नवंबर 2016 [III] को शुरू की गई थी।
 - इस प्रकार, सूची-I का सूची-II के साथ मिलान करने पर सही क्रम प्राप्त होता है: [A]-[III]; [B]-[IV]; [C]-[II]; [D]-[III]।
- Information Booster:**
- मेक इन इंडिया पहल घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए ऑटोमोटिव, रक्षा विनिर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स और नवीकरणीय ऊर्जा सहित प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है।
 - स्वच्छ भारत मिशन को दो उप-मिशनों में विभाजित किया गया था: जल शक्ति मंत्रालय के तहत स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) और MoHUA के तहत स्वच्छ भारत मिशन (शहरी)।
 - स्मार्ट सिटी मिशन एक केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में कार्य करता है जो शहरी बुनियादी ढांचे के विकास के लिए पांच वर्षों में वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
 - PMAY-ग्रामीण ने पात्र ग्रामीण परिवारों के लिए बुनियादी सुविधाओं के साथ पक्के घरों के निर्माण के लिए पूर्व इंदिरा आवास योजना (IAY) का पुनर्गठन किया।
 - PMAY-G के तहत लाभार्थियों का चयन सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना (SECC) 2011 के डेटा और ग्राम सभा सत्यापन के आधार पर एक कठोर प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है।
 - ये प्रमुख कार्यक्रम सामूहिक रूप से पूरे भारत में ग्रामीण विकास, शहरी आधुनिकीकरण, आर्थिक विकास और सामाजिक सशक्तिकरण में योगदान करते हैं।
- Additional Knowledge:**

- विकल्प B ([A]-[IV]; [B]-[III]; [C]-[III]; [D]-[I]): गलत है क्योंकि यह मेक इन इंडिया को 2 अक्टूबर और स्वच्छ भारत मिशन को 25 सितंबर के साथ गलत तरीके से जोड़ता है।
- विकल्प C ([A]-[III]; [B]-[IV]; [C]-[II]; [D]-[I]): गलत है क्योंकि यह मेक इन इंडिया को 20 नवंबर 2016 के साथ और स्मार्ट सिटी मिशन को 25 सितंबर 2014 के साथ गलत सरिखित करता है।
- विकल्प D ([A]-[III]; [B]-[IV]; [C]-[III]; [D]-[I]): गलत है क्योंकि यह 25 जून 2015 के बजाय 20 नवंबर 2016 के साथ स्मार्ट सिटी मिशन का गलत मिलान करता है।

Q.36 अगस्त 2026 में, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) ने किस भारतीय शहर में ब्रिक्स प्रतिस्पर्धा प्राधिकरणों के प्रमुखों की बैठक की मेजबानी की?

- A. जयपुर
- B. उदयपुर
- C. भुवनेश्वर
- D. मुंबई

Answer: B

Sol: सही उत्तर: (b) उदयपुर

स्पष्टीकरण:

- भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) ने भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता 2026 के तहत उदयपुर, राजस्थान में ब्रिक्स प्रतिस्पर्धा प्राधिकरणों के प्रमुखों की बैठक की मेजबानी की।
- यह बैठक निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा पर सहयोग को मजबूत करने और प्रतिस्पर्धा कानून व नीति में उभरती चुनौतियों का समाधान करने पर केंद्रित थी।
- CCI ने ब्रिक्स देशों के बीच नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में उभरते प्रतिस्पर्धा परिदृश्य पर एक संयुक्त अध्ययन प्रस्तुत किया।

Information Booster:

- बैठक का समापन "आरई (RE) बाजारों सहित निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए सहयोग को मजबूत करना" शीर्षक वाले संयुक्त वक्तव्य के साथ हुआ।
- भारत ने पार्टएनआईआर (PartNIR) पहलों पर ध्यान केंद्रित करते हुए जयपुर, राजस्थान में 10वीं ब्रिक्स उद्योग मंत्रियों की बैठक की मेजबानी की।
- 13वीं ब्रिक्स शिक्षा मंत्रियों की बैठक 5-7 अगस्त 2026 तक भुवनेश्वर, ओडिशा में आयोजित की गई थी।

Additional Knowledge:

- 16वीं ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक 6-7 अगस्त 2026 को जयपुर में आयोजित की गई थी।
- सदस्यों ने छोटे व्यवसायों के लिए व्यापार-वित्त पहुंच में सुधार हेतु ब्रिक्स इनवॉइस डिस्काउंटिंग मैकेनिज्म का अध्ययन करने के लिए जयपुर सहमति (जयपुर कंसेंसस) को अपनाया।
- ब्रिक्स वेव्स (WAVES) बाज़ार 2026 6-7 अगस्त 2026 को मुंबई में आयोजित किया गया था।

Q.37 सूची-I का सूची-II के साथ मिलान करें:

सूची-I (मौसम के तत्व)सूची-II (मापने वाले उपकरण)

[A] हवा की गति	[I] बैरोमीटर
[B] वायु दाब	[II] विंड वेन
[C] हवा की दिशा	[III] हाइग्रोग्राफ
[D] आर्द्रता	[IV] एनीमोमीटर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

- A. [A]-[III]; [B]-[I]; [C]-[IV]; [D]-[III]
- B. [A]-[IV]; [B]-[I]; [C]-[III]; [D]-[II]
- C. [A]-[I]; [B]-[III]; [C]-[III]; [D]-[IV]
- D. [A]-[IV]; [B]-[I]; [C]-[II]; [D]-[III]

Answer: D

Sol: सही उत्तर (D) [A]-[IV]; [B]-[I]; [C]-[III]; [D]-[III] है

व्याख्या:

- हवा की गति (IV) एनीमोमीटर से मेल खाती है: एनीमोमीटर एक मौसम संबंधी उपकरण है जो वायुमंडलीय हवा की गति और वेग को मापने के लिए घूमने वाले कप या प्रोपेलर से सुसज्जित होता है।
- वायु दाब (I) बैरोमीटर से मेल खाता है: एक बैरोमीटर (पारा या एनर्ॉइड) पृथ्वी की सतह के ऊपर वायु स्तंभों के वजन द्वारा डाले गए वायुमंडलीय दबाव को मापता है।
- हवा की दिशा (II) विंड वेन से मेल खाती है: एक विंड वेन (या वेदरकॉक) एक ऊर्ध्वाधर धुरी पर घूमता है ताकि यह इंगित किया जा सके कि हवा किस दिशा से चल रही है।
- आर्द्रता (III) हाइग्रोग्राफ से मेल खाती है: हाइग्रोग्राफ (या हाइग्रोमीटर) एक उपकरण है जो समय के साथ वायुमंडल में सापेक्ष आर्द्रता के स्तर को लगातार मापता है और रिकॉर्ड करता है।
- मौसम के इन तत्वों का मिलान करने पर प्राप्त होता है: [A]-[IV], [B]-[I], [C]-[III], [D]-[III]।

Information Booster:

- भूगोल में मानक NCERT कक्षा 11 के प्रायोगिक कार्य में मौसम संबंधी वेधशालाओं में उपयोग किए जाने वाले प्रमुख मौसम रिकॉर्डिंग उपकरणों का विवरण दिया गया है।
- एनरॉइड बैरोमीटर या फोर्टिन के मर्करी बैरोमीटर का उपयोग करके वायु दाब को मानक रूप से मिलीबार (mb) या हेक्टोपास्कल (hPa) में मापा जाता है। मानक समुद्र तल का दबाव 1013.25 mb है।
- सापेक्ष आर्द्रता को वेट एंड ड्राई बल्ब साइक्रोमीटर का उपयोग करके मापा जाता है या स्व-रिकॉर्डिंग हाइग्रोग्राफ का उपयोग करके लगातार चार्ट किया जाता है।
- वर्षा को एक निर्धारित 24-घंटे की अवलोकन अवधि में मिलीमीटर या सेंटीमीटर में रेन गेज (विशेष रूप से साइमन्स रेन गेज) का उपयोग करके मापा जाता है।
- अधिकतम और न्यूनतम थर्मामीटर एक दिन के दौरान डिग्री सेल्सियस (°C) में पहुंचे उच्चतम और निम्नतम तापमान को रिकॉर्ड करते हैं।

Additional Knowledge:

[A]-[II]; [B]-[I]; [C]-[IV]; [D]-[III] (विकल्प A): गलत है क्योंकि विंड वेन हवा की दिशा (C) मापता है, हवा की गति (A) नहीं।
[A]-[IV]; [B]-[I]; [C]-[III]; [D]-[II] (विकल्प B): गलत है क्योंकि हाइग्रोग्राफ आर्द्रता (D) मापता है, हवा की दिशा (C) नहीं।
[A]-[I]; [B]-[II]; [C]-[III]; [D]-[IV] (विकल्प C): गलत है क्योंकि बैरोमीटर वायु दाब (B) मापता है, हवा की गति (A) नहीं।

Q.38 भारत के संविधान के अनुसार, 'स्वतंत्रता का अधिकार' विशेष रूप से किन अनुच्छेदों के तहत गारंटीकृत है?

- A. अनुच्छेद 14, 15, 16 और 17
- B. अनुच्छेद 23, 24, 25 और 26
- C. अनुच्छेद 19, 20, 21 और 22
- D. अनुच्छेद 32, 33, 34 और 35

Answer: C

Sol: सही उत्तर (C) अनुच्छेद 19, 20, 21 और 22 है

व्याख्या:

- भारत के संविधान के भाग III के तहत, 'स्वतंत्रता का अधिकार' एक मौलिक समूह है जिसे विशेष रूप से अनुच्छेद 19, 20, 21, 21A और 22 के तहत गारंटी दी गई है।
- **अनुच्छेद 19** भारतीय नागरिकों को छह बुनियादी लोकतांत्रिक स्वतंत्रताओं की गारंटी देता है: वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, बिना हथियारों के शांतिपूर्ण सम्मेलन, संघ/समिति बनाने, पूरे भारत में अबाध संचरण (घूमने), देश के किसी भी हिस्से में निवास करने और किसी भी पेशे/व्यापार को अपनाने की स्वतंत्रता।
- **अनुच्छेद 20** अपराधों के लिए मनमानी दोषसिद्धि के खिलाफ संरक्षण प्रदान करता है, जो कार्योत्तर विधियों (ex-post-facto laws), दोहरे दंड और स्व-अभिशासन (self-incrimination) के खिलाफ सुरक्षा सुनिश्चित करता है।
- **अनुच्छेद 21** प्राण और दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण प्रदान करता है, जिसे सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मौलिक मानवाधिकारों की नींव के रूप में प्रसिद्ध रूप से व्याख्यायित किया गया है, साथ ही **अनुच्छेद 21A** जो 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा की गारंटी देता है।
- **अनुच्छेद 22** मनमानी गिरफ्तारी और निरोध के खिलाफ प्रक्रियात्मक सुरक्षा प्रदान करता है, जिसमें गिरफ्तारी के कारणों को जानने और 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश होने का अधिकार शामिल है।

Information Booster:

- संविधान के भाग III (अनुच्छेद 12 से 35) में निहित मौलिक अधिकार संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान के बिल ऑफ राइट्स (अधिकार पत्र) से काफी प्रेरित थे।
- मूल रूप से, अनुच्छेद 19 सात मौलिक अधिकारों की गारंटी देता था, लेकिन अनुच्छेद 19(1)(f) के तहत संपत्ति के अधिकार को 1978 के 44वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा हटा दिया गया और अनुच्छेद 300A के तहत विधिक अधिकार बना दिया गया।
- अनुच्छेद 19 के तहत गारंटीकृत अधिकारों को अनुच्छेद 352 के तहत घोषित राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान निलंबित किया जा सकता है, लेकिन केवल युद्ध या बाहरी आक्रमण के आधार पर, आंतरिक सशस्त्र विद्रोह के आधार पर नहीं।
- महत्वपूर्ण रूप से, अनुच्छेद 20 और अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीकृत अधिकारों को किसी भी परिस्थिति में निलंबित नहीं किया जा सकता है, यहां तक कि घोषित राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान भी नहीं।
- संसद द्वारा भारत की संप्रभुता, अखंडता, राज्य की सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था, शालीनता या नैतिकता जैसे आधारों पर अनुच्छेद 19 की स्वतंत्रताओं पर उचित प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

Additional Knowledge:

- **(A) अनुच्छेद 14, 15, 16 और 17:** 'समानता का अधिकार' समूह (अनुच्छेद 14 से 18) का हिस्सा बनते हैं, जिसमें कानून के समक्ष समानता, भेदभाव का निषेध, सार्वजनिक रोजगार में अवसर की समानता और अस्पृश्यता का उन्मूलन शामिल है।
- **(B) अनुच्छेद 23, 24, 25 और 26:** अनुच्छेद 23 और 24 'शोषण के विरुद्ध अधिकार' की गारंटी देते हैं, जबकि अनुच्छेद 25 और 26 'धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार' को कवर करते हैं।
- **(D) अनुच्छेद 32, 33, 34 और 35:** अनुच्छेद 32 'संवैधानिक उपचारों का अधिकार' (जिसे डॉ. बी.आर. अंबेडकर द्वारा संविधान का हृदय और आत्मा कहा गया है) की गारंटी देता है, जबकि अनुच्छेद 33-35 अधिकारों को संशोधित करने या लागू करने की संसदीय शक्तियों से संबंधित हैं।

Q.39 भारत में किस अवधि को 'गोल्डन रिवाॅल्यूशन' (स्वर्ण क्रांति) का काल माना जाता है ?

- A. 1981-1994
- B. 1991-2000
- C. 1991-2003
- D. 2001-2006

Answer: C

Sol: सही उत्तर (C) 1991-2003 है

व्याख्या:

- भारत में 1991 और 2003 के बीच की अवधि को 'स्वर्ण क्रांति' के युग के रूप में नामित किया गया है।
- यह क्रांति फल, सब्जियां, शहद उत्पादन (मधुमक्खी पालन) और वृक्षारोपण फसलों सहित बागवानी क्षेत्र की तीव्र गति से वृद्धि और विकास के लिए समर्पित थी।
- निरपेक्ष तुतेज को बागवानी उत्पादन को बढ़ावा देने में उनके अग्रणी योगदान के लिए भारत में 'स्वर्ण क्रांति का जनक' माना जाता है।

- इस समय सीमा के दौरान, लक्षित सरकारी पहलों ने फसल की उपज, पोषण संबंधी सुरक्षा, निर्यात क्षमताओं और छोटे किसानों की आय सृजन में काफी सुधार किया।

Information Booster:

- इस अवधि के दौरान भारत केले और आम जैसे विभिन्न फलों के साथ-साथ शहद के उत्पादन में वैश्विक अग्रणी के रूप में उभरा।
- भारत में महत्वपूर्ण कृषि क्रांतियों में शामिल हैं:
- हरित क्रांति: खाद्यान्न (गेहूं और चावल)
- श्वेत क्रांति: दूध और डेयरी उत्पाद (ऑपरेशन फ्लड)
- पीली क्रांति: तिलहन उत्पादन
- नीली क्रांति: एक्काकल्चर और मत्स्य उत्पादन
- रजत क्रांति: अंडा और कुक्कुट उत्पादन

Additional Knowledge:

- विकल्प A (1981-1994): 1986 में शुरू किए गए तिलहन पर प्रौद्योगिकी मिशन के माध्यम से तिलहन उत्पादन के विस्तार पर केंद्रित एक शुरुआती चरण का प्रतिनिधित्व करता है।
- विकल्प B (1991-2000): भारतीय कृषि में उदारीकरण के बाद के आर्थिक सुधारों और संरचनात्मक समायोजन की शुरुआत के साथ परस्पर व्याप्त है।
- विकल्प D (2001-2006): पूर्ववर्ती स्वर्ण क्रांति अवधि के लाभों को सुदृढ़ करने के लिए राष्ट्रीय बागवानी मिशन (औपचारिक रूप से 2005-06 में शुरू किया गया) के क्रियान्वयन चरण को संदर्भित करता है।

Q.40 सोनमर्ग और श्रीनगर के बीच साल भर कनेक्टिविटी में सुधार के लिए जनवरी 2026 में निम्नलिखित में से किस सुरंग का उद्घाटन किया गया है?

- A. जेड-मोड़ सुरंग
- B. पीर पंजाल सुरंग
- C. अटल सुरंग
- D. नेहरू सुरंग

Answer: A

Sol: सही उत्तर **(A) जेड-मोड़ सुरंग** है

Explanation:

- जेड-मोड़ सुरंग केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में गगनगीर के पास निर्मित एक रणनीतिक 6.5 किमी लंबी सड़क सुरंग है।
- यह NH-1 (श्रीनगर-लेह राजमार्ग) पर श्रीनगर और सोनमर्ग के प्रसिद्ध स्वास्थ्य रिसॉर्ट के बीच हर मौसम में, साल भर की कनेक्टिविटी सुनिश्चित करती है।
- सुरंग सर्दियों के महीनों के दौरान भारी हिमस्खलन वाले बर्फ-प्रवण क्षेत्रों को बायपास करती है, जिससे निर्बाध आर्थिक और पर्यटन गतिविधियां सुनिश्चित होती हैं।
- यह सीमा रसद के लिए महत्वपूर्ण है, जिससे कारगिल और लद्दाख की ओर सैन्य कर्मियों और माल की निर्बाध आवाजाही संभव हो पाती है।
- आधुनिक सुरक्षा मानकों के साथ डिज़ाइन की गई, इसमें एक एस्केप टनल (निकासी सुरंग), परिष्कृत वेंटिलेशन और स्वचालित निगरानी प्रणाली शामिल है।

Information Booster:

- जेड-मोड़ सुरंग लेह-लद्दाख तक हर मौसम में पहुंच सुनिश्चित करने के लिए ज़ोजिला सुरंग परियोजना के साथ मिलकर काम करती है।
- 8,500 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित, यह यात्रा के समय को काफी कम कर देती है और सर्दियों की खतरनाक ड्राइविंग स्थितियों को समाप्त कर देती है।
- राष्ट्रीय राजमार्ग और बुनियादी ढांचा विकास निगम लिमिटेड (NHIDCL) की देखरेख में निर्मित।
- यह रणनीतिक बुनियादी ढांचा गांदरबल जिले में आर्थिक विकास और इको-टूरिज्म के अवसरों को बढ़ाता है।

Additional Knowledge:

- पीर पंजाल सुरंग (विकल्प B): जम्मू-बारामूला रेल लाइन पर पीर पंजाल पर्वतमाला से होकर गुजरने वाली 11.2 किमी लंबी रेलवे सुरंग को संदर्भित करता है।
- अटल सुरंग (विकल्प C): हिमाचल प्रदेश में रोहतांग दर्रे के नीचे एक ऐतिहासिक 9.02 किमी लंबी सुरंग जो मनाली को लाहौल-स्पीति घाटी से जोड़ती है।
- नेहरू सुरंग (विकल्प D): जवाहर सुरंग (अक्सर बोलचाल की भाषा में संदर्भित) जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनिहाल दर्रे के नीचे स्थित है।

Q.41 1964 में, भ्रष्टाचार निवारण समिति की अध्यक्षता किसने की और केंद्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना का सुझाव दिया?

- A. के. संथानम
- B. जी वी रामकृष्ण
- C. पी के मोहंती
- D. जी के पिल्लई

Answer: A

Sol: सही उत्तर **(A) के. संथानम** है

Explanation:

- सरकारी भ्रष्टाचार से निपटने के लिए फरवरी 1964 में भारत सरकार द्वारा केंद्रीय सतर्कता आयोग (CVC) की स्थापना की गई थी।
- इसकी स्थापना श्री के. संथानम की अध्यक्षता वाली भ्रष्टाचार निवारण समिति की प्रत्यक्ष सिफारिश पर की गई थी।
- संथानम समिति को केंद्रीय सेवाओं में भ्रष्टाचार की समस्या की समीक्षा करने और इससे निपटने के उपायों की सिफारिश करने का काम सौंपा गया था, जिसके परिणामस्वरूप एक सर्वोच्च सतर्कता संस्था का निर्माण हुआ।

Information Booster:

- **वैधानिक दर्जा:** मूल रूप से एक कार्यकारी प्रस्ताव के माध्यम से गठित, CVC को बहुत बाद में केंद्रीय सतर्कता आयोग अधिनियम, 2003 के माध्यम से वैधानिक दर्जा प्रदान किया गया था।
- **भूमिका:** इसे सर्वोच्च सतर्कता संस्था के रूप में माना जाता है, जो किसी भी कार्यकारी प्राधिकरण के नियंत्रण से मुक्त है, केंद्र सरकार के तहत सभी सतर्कता गतिविधियों की

निगरानी करता है और विभिन्न प्राधिकरणों को सलाह देता है।

- **नियुक्ति:** केंद्रीय सतर्कता आयुक्त की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रधान मंत्री, गृह मंत्री और लोकसभा में विपक्ष के नेता वाली एक समिति की सिफारिश पर की जाती है।

- Additional Knowledge:**
- **जी वी रामकृष्ण (विकल्प B):** विनिवेश आयोग (1996) के प्रथम अध्यक्ष।
 - **पी के मोहंती (विकल्प C):** भारत में बैंकों के बोर्ड के शासन की समीक्षा के लिए एक समिति का नेतृत्व किया।
 - **जी के पिल्लई (विकल्प D):** भारत के पूर्व गृह सचिव, RoDTEP योजना के कामकाज की समीक्षा करने वाली एक समिति का नेतृत्व किया, न कि CVC का।

Q.42 कृत्रिम हीरों (संश्लेषित हीरों) के निर्माण में निम्नलिखित में से किस बीज (seed) का उपयोग किया जाता है?

- A. ग्रेफाइट
- B. क्यूबिक जिरकोनिया
- C. सफेद नीलम (व्हाइट सफायर)
- D. मोइसानाइट

Answer: A

Sol: सही उत्तर **(A) ग्रेफाइट** है

व्याख्या:

- प्रयोगशाला में निर्मित या कृत्रिम (संश्लेषित) हीरों के निर्माण में ग्रेफाइट का उपयोग प्राथमिक कच्चे कार्बन स्रोत और पूर्ववर्ती बीज के रूप में किया जाता है।
- ग्रेफाइट और हीरा दोनों ही शुद्ध कार्बन (C) के अपररूप हैं, जो केवल अपनी क्रिस्टलीय जालक संरचना (sp^2 ग्रेफाइट में समतलीय संकरण बनाम sp^3 हीरे में चतुष्फलकीय संकरण) में भिन्न होते हैं।
- कृत्रिम हीरों का निर्माण व्यावसायिक रूप से दो प्रमुख प्रक्रियाओं का उपयोग करके किया जाता है: उच्च दाब उच्च ताप (HPHT) और रासायनिक वाष्प निक्षेपण (CVD)।
- HPHT विधि में, एक विशेष प्रेस के भीतर उच्च शुद्धता वाले ग्रेफाइट को अत्यधिक दाब (50,000 से 60,000 वायुमंडल से अधिक) और अत्यधिक ताप (1400°C से 1600°C) के अधीन किया जाता है।
- इन परिस्थितियों में, ग्रेफाइट की षट्कोणीय परत संरचना हीरे की अत्यधिक कठोर घनीय क्रिस्टल संरचना में पुनर्व्यवस्थित हो जाती है।
- CVD में, परत दर परत कार्बन परमाणुओं को निक्षेपित करने के लिए प्लाज्मा में सक्रिय कार्बन-समृद्ध गैस (जैसे मीथेन) से भरे वैक्यूम चैंबर में एक पतली बीज प्लेट (अक्सर एक पतली हीरे या ग्रेफाइट की परत) रखी जाती है।
- कृत्रिम हीरों के भौतिक, रासायनिक और प्रकाशीय गुण प्राकृतिक रूप से खनन किए गए हीरों के समान होते हैं।

Information Booster:

- भारत प्रयोगशाला में निर्मित हीरों (LGD) के प्रसंस्करण और निर्माण का एक प्रमुख वैश्विक केंद्र है, जो विशेष रूप से सूरत, गुजरात में केंद्रित है।
- भारत में केंद्रीय बजट पहलों ने निर्यात क्षमता को बढ़ावा देने के लिए प्रयोगशाला में निर्मित हीरों के अनुसंधान और उत्पादन को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया है।

Additional Knowledge:

- क्यूबिक जिरकोनिया (विकल्प B): संश्लेषित जिरकोनियम डाइऑक्साइड (ZrO_2), एक सस्ता हीरा विकल्प (नकली हीरा) है जिसकी रासायनिक संरचना पूरी तरह से भिन्न होती है और असली हीरे (मोह पैमाने पर 10) की तुलना में कम कठोरता (मोह पैमाने पर 8.5) होती है।
- सफेद नीलम (विकल्प C): रंगहीन कोरंडम (Al_2O_3), आभूषणों में इस्तेमाल होने वाला एक प्राकृतिक रत्न या विकल्प है, लेकिन यह कार्बन हीरा संश्लेषण के लिए पूर्ववर्ती बीज नहीं है।
- मोइसानाइट (विकल्प D): प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला या प्रयोगशाला में निर्मित सिलिकॉन कार्बाइड (SiC), उच्च अपवर्तनांक वाला एक अन्य हीरा विकल्प है, लेकिन संश्लेषित हीरों के लिए कार्बन बीज का स्रोत नहीं है।

Q.43 दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद सहित पांच क्षेत्रीय परिषदों की स्थापना किस अधिनियम के तहत की गई है?

- A. भारत सरकार अधिनियम, 1935
- B. राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956
- C. अंतर-राज्यीय परिषद अधिनियम, 1990
- D. संविधान (सातवां संशोधन) अधिनियम, 1956

Answer: B

Sol: सही उत्तर **(B) राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956** है

स्पष्टीकरण:

- पांचों क्षेत्रीय परिषदें—उत्तरी, मध्य, पूर्वी, पश्चिमी और दक्षिणी—राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के भाग III के तहत स्थापित की गई थीं।
- चूंकि क्षेत्रीय परिषदों का गठन सीधे संवैधानिक प्रावधानों के बजाय संसद के एक अधिनियम के माध्यम से किया गया था, इसलिए वे वैधानिक निकाय हैं, संवैधानिक निकाय नहीं।
- इस पहल को सहकारी संघवाद को प्रोत्साहित करने और राज्यों के भाषाई पुनर्गठन के बाद संकीर्ण क्षेत्रीयता, भाषावाद और विशेषणवाद का मुकाबला करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।
- प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने साझा भौगोलिक और आर्थिक हितों को साझा करने वाले पड़ोसी राज्यों के बीच एक साथ काम करने की आदत विकसित करने के लिए क्षेत्रीय समूहों का प्रस्ताव रखा।
- 1956 का अधिनियम सभी पांच मूल क्षेत्रीय परिषदों के लिए संगठनात्मक संरचना, कार्य, सचिवालय उपकरण और परिचालन प्रक्रियाओं को स्थापित करता है।
- ये परिषदें सामाजिक-आर्थिक नियोजन, सीमा संबंधी मुद्दों, परिवहन प्रणालियों और बिजली आवंटन पर केंद्र-राज्य और अंतर-राज्यीय परामर्श को सक्षम बनाती हैं।

Information Booster:

- उत्तर-पूर्वी राज्यों को 1956 के अधिनियम की क्षेत्रीय परिषदों से बाहर रखा गया था और बाद में उत्तर-पूर्वी परिषद अधिनियम, 1971 द्वारा निर्मित उत्तर-पूर्वी परिषद नामक एक अलग निकाय के तहत लाया गया था।
- पांच क्षेत्रीय परिषदों के मुख्यालय नई दिल्ली (उत्तरी), प्रयागराज/इलाहाबाद (मध्य), कोलकाता (पूर्वी), मुंबई (पश्चिमी) और चेन्नई (दक्षिणी) में स्थित हैं।

- क्षेत्रीय परिषदों जैसे वैधानिक निकायों को संवैधानिक संशोधनों की आवश्यकता के बिना साधारण संसदीय कानून के माध्यम से संशोधित, पुनर्गठित या विस्तारित किया जा सकता है।
- क्षेत्रीय परिषदों के प्रमुख वैधानिक उद्देश्यों में राष्ट्रीय आर्थिक नियोजन को एकीकृत करना, क्षेत्रीय विवादों को हल करना और संयुक्त विकासात्मक निष्पादन को सक्षम बनाना शामिल है।
- परिषदें एक नियमित मंच प्रदान करती हैं जहां मुख्यमंत्री और राज्य मंत्री सीधे केंद्रीय गृह मंत्री के साथ विचार-विमर्श करते हैं।

Additional Knowledge:

- **भारत सरकार अधिनियम, 1935 (विकल्प A):** इस औपनिवेशिक युग के कानून ने स्वतंत्रता-पूर्व भारत में संघीय सिद्धांतों और प्रांतीय स्वायत्तता की स्थापना की, लेकिन क्षेत्रीय परिषदों का निर्माण नहीं किया।
- **अंतर-राज्यीय परिषद अधिनियम, 1990 (विकल्प C):** ऐसा कोई 'अंतर-राज्यीय परिषद अधिनियम' नहीं है; अंतर-राज्यीय परिषद की स्थापना 1990 में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 263 के तहत एक राष्ट्रपति के आदेश द्वारा की गई थी।
- **संविधान (सातवां संशोधन) अधिनियम, 1956 (विकल्प D):** हालांकि इस संशोधन ने राज्य पुनर्गठन को लागू करने के लिए संविधान में संशोधन किया, लेकिन क्षेत्रीय परिषदों की वैधानिक स्थापना राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के माध्यम से की गई थी।

Q.44 फरवरी 2026 में, ट्रैक "लूथर" के लिए 'रिकॉर्ड ऑफ द ईयर' का ग्रैमी अवार्ड दिया गया था। इस विजेता रिकॉर्डिंग पर किन दो कलाकारों ने सहयोग किया था?

- A. बिली इलिश और फिनेस
- B. केंड्रिक लैमर और SZA
- C. लेडी गागा और ब्रूनो मार्स
- D. बैड बनी और जे बाल्विन

Answer: B

Sol: सही उत्तर **(B) केंड्रिक लैमर और SZA**

व्याख्या:

- अत्यंत प्रतिष्ठित ग्रैमी अवार्ड्स में, 'रिकॉर्ड ऑफ द ईयर' का पुरस्कार प्रशंसित ट्रैक "लूथर" को प्रदान किया गया।
- यह उत्कृष्ट कृति प्रसिद्ध पुलित्जर-विजेता रैपर केंड्रिक लैमर और अत्यधिक प्रभावशाली आर एंड बी (R&B) पावरहाउस SZA के बीच एक शक्तिशाली सहयोग था।
- 'रिकॉर्ड ऑफ द ईयर' चार "जनरल फील्ड" पुरस्कारों में से एक है और इसे विशेष रूप से प्रदर्शन करने वाले कलाकारों, निर्माताओं और ऑडियो इंजीनियरों को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है जिन्होंने ट्रैक की विशिष्ट ध्वनि रिकॉर्डिंग तैयार की है।

Information booster:

- **ऐतिहासिक तालमेल:** केंड्रिक लैमर और SZA का बेतहाशा सफल सहयोग का एक लंबा इतिहास रहा है, विशेष रूप से ब्लैक पैथर फिल्म साउंडट्रैक से उनका अकादमी पुरस्कार-नामांकित ब्लॉकबस्टर ट्रैक "ऑल द स्टार्स"।

Additional knowledge:

- **बिली इलिश और फिनेस (विकल्प A):** एक प्रसिद्ध भाई-बहन की जोड़ी जिसने पहले ग्रैमी बिग फोर श्रेणियों में क्लीन स्वीप किया है।
- **लेडी गागा और ब्रूनो मार्स (विकल्प C):** अपने विशाल सहयोगात्मक हिट "डाई विद ए स्माइल" के लिए जाने जाते हैं।
- **बैड बनी और जे बाल्विन (विकल्प D):** लैटिन संगीत के दिग्गज जो अक्सर सहयोग करते हैं, जैसे कि उनके संयुक्त एल्बम "ओएसिस" पर।

Q.45 अनुच्छेद 60 के तहत शपथ के अनुसार राष्ट्रपति का प्राथमिक संवैधानिक कर्तव्य क्या है?

- A. भारत के शासन के लिए नीतियां बनाना
- B. भारत के शासन के लिए वित्त का प्रबंधन करना
- C. संविधान का संरक्षण, रक्षण और प्रतिरक्षण करना
- D. प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली मंत्रिपरिषद को नियंत्रित करना

Answer: C

Sol: सही उत्तर **(C) संविधान का संरक्षण, रक्षण और प्रतिरक्षण करना** है

Explanation:

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 60 के तहत, भारत के राष्ट्रपति द्वारा ली गई शपथ या प्रतिज्ञान स्पष्ट रूप से "संविधान और विधि का संरक्षण, रक्षण और प्रतिरक्षण करने" का कर्तव्य अनिवार्य करता है।
- शपथ राष्ट्रपति को भारत की जनता की सेवा और कल्याण में स्वयं को समर्पित करने के लिए बाध्य करती है।
- राष्ट्रपति राज्य के संवैधानिक प्रमुख के रूप में कार्य करता है और संवैधानिक मशीनरी और सिद्धांतों के अंतिम संरक्षक के रूप में कार्य करता है।
- यह शपथ पद ग्रहण करने से पहले ली जाती है और भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा, या उनकी अनुपस्थिति में, उपलब्ध सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश द्वारा दिलाई जाती है।
- संविधान का उल्लंघन करना राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग प्रक्रिया शुरू करने के लिए अनुच्छेद 61 के तहत निर्दिष्ट एकमात्र आधार है।

Information Booster:

- अनुच्छेद 52 कहता है कि भारत का एक राष्ट्रपति होगा, जबकि अनुच्छेद 53 संघ की कार्यपालिका शक्ति को राष्ट्रपति में निहित करता है।
- राष्ट्रपति अनुच्छेद 74(1) के तहत अनिवार्य रूप से प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह पर कार्य करता है।
- सर्वोच्च न्यायालय के फैसले (जैसे, शमशेर सिंह मामला) पुष्टि करते हैं कि राष्ट्रपति राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करता है लेकिन राष्ट्र पर शासन नहीं करता है, ब्रिटिश सम्राट के समतुल्य संवैधानिक स्थिति बनाए रखता है।
- विशिष्ट संवैधानिक शक्तियों में विधायी स्वीकृति (अनुच्छेद 111), अध्यादेश बनाना (अनुच्छेद 123), और क्षमादान शक्तियां (अनुच्छेद 72) शामिल हैं।

Additional Knowledge:

- **भारत के शासन के लिए नीतियां बनाना (विकल्प A):** नीति निर्माण प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाले कार्यकारी मंत्रिमंडल का संवैधानिक कार्य है।
- **भारत के शासन के लिए वित्त का प्रबंधन करना (विकल्प B):** वित्तीय प्रबंधन वित्त मंत्रालय और संसद द्वारा धन विधेयकों और बजटीय स्वीकृतियों (अनुच्छेद 112-114) के माध्यम से निष्पादित किया जाता है।
- **प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली मंत्रिपरिषद को नियंत्रित करना (विकल्प D):** राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद को नियंत्रित नहीं करता है; बल्कि, प्रधानमंत्री राष्ट्रपति को सलाह देते हुए मंत्रिमंडल पर नेतृत्व का प्रयोग करता है।

Q.46 कौन सा संयोजन किसी व्यक्तिगत जीव को बनाए रखने के लिए आवश्यक जीवन प्रक्रियाओं का सबसे अच्छा प्रतिनिधित्व करता है?

- पोषण, श्वसन, परिवहन और उत्सर्जन
- प्रजनन, भिन्नता, आनुवंशिकता और अनुकूलन
- चलन, भोजन, संचार और रक्षा
- वृद्धि, गति, प्रजनन और प्रतिक्रिया

Answer: A

Sol: सही उत्तर **(A) पोषण, श्वसन, परिवहन और उत्सर्जन** है

स्पष्टीकरण:

- जीवन प्रक्रियाएं जीवित जीवों द्वारा अपने भौतिक अस्तित्व को बनाए रखने और दैनिक आधार पर जीवित रहने के लिए किए जाने वाले बुनियादी, गैर-परकाम्य शारीरिक कार्य हैं।
- पोषण रासायनिक ईंधन प्रदान करता है। श्वसन प्रयोग करने योग्य ऊर्जा को छोड़ने के लिए इस ईंधन को तोड़ता है। परिवहन (परिसंचरण) पूरे शरीर में ऑक्सीजन, पोषक तत्वों और कचरे को स्थानांतरित करता है। उत्सर्जन विषाक्त चयापचय उप-उत्पादों को हटाता है।
- इन चार प्रक्रियाओं में से किसी एक के बिना, एक व्यक्तिगत जीव को जल्दी ही सिस्टम विफलता का सामना करना पड़ेगा और वह मर जाएगा।

Information Booster:

- **चयापचय (Metabolism):** ये चार मुख्य प्रक्रियाएं किसी जीव के चयापचय (शरीर के अंदर होने वाली सभी रासायनिक प्रतिक्रियाओं का योग) से गहराई से जुड़ी हुई हैं।
- **प्रजनन अपवाद:** जबकि प्रजनन एक *प्रजाति* के अस्तित्व और निरंतरता के लिए आवश्यक है, यह एक *व्यक्तिगत* जीव के अस्तित्व के लिए आवश्यक नहीं है (उदाहरण के लिए, बाँझ कार्यकर्ता मधुमक्खियाँ पूरी तरह कार्यात्मक जीवन जीती हैं)।
- **होमियोस्टैसिस (Homeostasis):** बाहरी परिवर्तनों के बावजूद एक स्थिर आंतरिक वातावरण को बनाए रखने के लिए ये जीवन प्रक्रियाएं एक साथ काम करती हैं, जिसे होमियोस्टैसिस के रूप में जाना जाता है।

Additional Knowledge:

- **विकल्प B (प्रजनन, भिन्नता...):** ये प्रजातियों के अस्तित्व और पीढ़ीगत परिवर्तन से जुड़ी विकासवादी और आनुवंशिक प्रक्रियाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि दैनिक व्यक्तिगत रखरखाव का।
- **विकल्प C और D:** जबकि चलन, संचार और उत्तेजनाओं की प्रतिक्रिया कई जानवरों के लिए महत्वपूर्ण जैविक गतिविधियां हैं, वे सभी जीवन रूपों में रखरखाव के लिए सार्वभौमिक रूप से आवश्यक नहीं हैं (उदाहरण के लिए, पौधों और कवक (fungi) में चलन नहीं होता है लेकिन वे फिर भी जीवित रहते हैं)।

Q.47 भारतीय परिषद अधिनियम 1909 (मॉर्ले-मिंटो सुधार) का परिणाम क्या निकला?

- प्रांतीय स्वायत्तता, पूर्ण वित्तीय अधिकार और स्वायत्त मंत्रालयों की स्थापना
- विधायिका परिषदों का विस्तार, वायसराय की कार्यकारी परिषद में भारतीयों का प्रवेश, और नए विचार-विमर्श संबंधी अधिकार।
- विधायी परिषद के आकार में कमी, बजटीय अधिकारों का प्रतिस्थापन, और भारतीय प्रतिनिधियों का उन्मूलन।
- नामित सीटों का उन्मूलन, प्रत्यक्ष चुनावों का आरोपण, और आधिकारिक बहुमत को हटाना।

Answer: B

Sol: सही उत्तर **(B) विधायिका परिषदों का विस्तार, वायसराय की कार्यकारी परिषद में भारतीयों का प्रवेश, और नए विचार-विमर्श संबंधी अधिकार**।

स्पष्टीकरण:

- भारतीय परिषद अधिनियम 1909, जिसे लोकप्रिय रूप से मॉर्ले-मिंटो सुधार के रूप में जाना जाता है (भारत के राज्य सचिव जॉन मॉर्ले और भारत के वायसराय लॉर्ड मिंटो के नाम पर), ने केंद्रीय और प्रांतीय दोनों स्तरों पर विधायी परिषदों के आकार में काफी वृद्धि की।
- पहली बार, इस अधिनियम ने वायसराय और गवर्नरों की कार्यकारी परिषदों के साथ भारतीयों के जुड़ाव का प्रावधान किया, जिससे सत्येंद्र प्रसन्ना वायसराय की कार्यकारी परिषद में विधि सदस्य के रूप में नियुक्त होने वाले पहले भारतीय बने।
- इसने विधायी परिषदों के विचार-विमर्श कार्यों का काफी विस्तार किया, सदस्यों को पूरक प्रश्न पूछने, बजट पर प्रस्ताव लाने और सार्वजनिक हित के मामलों पर चर्चा करने का अधिकार दिया।
- केंद्रीय विधायी परिषद में आधिकारिक बहुमत बरकरार रखा गया था, जबकि अधिनियम ने प्रांतीय विधायी परिषदों में गैर-आधिकारिक बहुमत की अनुमति दी।
- सुधारों ने मुसलमानों के लिए अलग निर्वाचक मंडल की एक प्रणाली शुरू की, जिसके तहत मुस्लिम प्रतिनिधियों को विशेष रूप से मुस्लिम मतदाताओं द्वारा चुना जाना था, जिससे सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व को वैध बनाया गया।

Information Booster:

- केंद्रीय विधायी परिषद की सदस्यता 16 से बढ़ाकर 60 कर दी गई, जबकि प्रांतीय परिषदों के आकार को भी गैर-समान रूप से बढ़ाया गया।
- कानूनी सांप्रदायिक निर्वाचक मंडलों की आधिकारिक शुरुआत के कारण, लॉर्ड मिंटो को ब्रिटिश भारत में 'सांप्रदायिक निर्वाचक मंडल के पिता' के रूप में जाना जाने लगा।
- अधिनियम ने जिम्मेदार संसदीय सरकार की स्थापना नहीं की, क्योंकि कार्यकारी विधायिका के प्रति अनुत्तरदायी रही और अंतिम वीटो शक्तियां अपने पास रखीं।
- विधायी परिषदों के सदस्यों को स्थानीय निकायों, व्यापार संघों और विश्वविद्यालयों से बने चुनावी कॉलेजों द्वारा अप्रत्यक्ष चुनावों के माध्यम से चुना गया था।
- सुधार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेतृत्व में स्व-शासन की भारतीय राष्ट्रवादी मांगों को संतुष्ट करने में विफल रहे, जिसने सांप्रदायिक विभाजनों के निर्माण की आलोचना की।

Additional Knowledge:

- विकल्प A: प्रांतीय स्वायत्तता, पूर्ण वित्तीय विकेंद्रीकरण और जिम्मेदार स्वायत्त मंत्रालय 1935 के भारत सरकार अधिनियम के तहत शुरू की गई ऐतिहासिक विशेषताएं थीं।
- विकल्प C: इस अधिनियम ने वास्तव में विधायी परिषदों के आकार का विस्तार किया, बजटीय चर्चा के अधिकारों को बढ़ाया, और उन्हें कम करने या समाप्त करने के बजाय

भारतीय प्रतिनिधित्व को बढ़ाया।
• विकल्प D: केंद्र में आधिकारिक बहुमत बनाए रखा गया था, नामांकित सीटें बरकरार रखी गई थीं, और 1909 के अधिनियम द्वारा प्रत्यक्ष सार्वभौमिक मताधिकार शुरू नहीं किया गया था।

Q.48 इंद्रजाल-सिग्मा कंसोर्टियम ने किस स्वदेशी एंटी-ड्रोन प्लेटफॉर्म के लिए गृह मंत्रालय से ₹155 करोड़ के ऑर्डर हासिल किए?

- A. इंद्रजाल शील्ड
- B. इंद्रजाल रेंजर
- C. इंद्रजाल वज्र
- D. इंद्रजाल सेंटिनल

Answer: B

Sol: सही उत्तर: (b) इंद्रजाल रेंजर

व्याख्या:

- इंद्रजाल-सिग्मा कंसोर्टियम ने इंद्रजाल रेंजर मोबाइल एंटी-ड्रोन गश्ती वाहन (ADPV) के लिए गृह मंत्रालय (MHA) से ₹155 करोड़ के ऑर्डर हासिल किए।
- यह एक मोबाइल काउंटर-अनमैन्ड एयरक्राफ्ट सिस्टम (C-UAS) है जिसे असामाजिक/अवैध ड्रोनों का पता लगाने, उन्हें ट्रैक करने, पहचानने और उन्हें बेअसर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- इस तैनाती का उद्देश्य सुरक्षा अभियानों के लिए भारत की स्वदेशी काउंटर-ड्रोन क्षमताओं को मजबूत करना है।

Information Booster:

- इंद्रजाल रेंजर को इंद्रजाल ऑटोनॉमस डिफेंस सिस्टम्स (IADS) द्वारा विकसित किया गया है।
- यह टोयोटा हिलक्स प्लेटफॉर्म पर निर्मित है और इसका निर्माण हैदराबाद, तेलंगाना में किया गया है।
- यह प्रणाली सीमा गश्त, VVIP सुरक्षा, हवाई अड्डों, शहरी पुलिसिंग और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए डिज़ाइन की गई है।

Additional Knowledge:

- रेंजर को भारत के एकमात्र एंटी-रॉग ड्रोन टेक्नोलॉजी कमेटी (ARDTC)-अनुमोदित ADPV के रूप में वर्णित किया गया है।
- इसके अलावा, रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना को 30 महीनों के लिए दो MQ-9B सी गार्जियन विमान लीज पर देने के लिए जनरल एटॉमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम्स के साथ ₹1,943 करोड़ का अनुबंध हस्ताक्षरित किया।
- MQ-9B सी गार्जियन एक हाई-अल्टीट्यूड लॉन्ग-एंड्योरेंस (HALE) रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम है।

Q.49 विकृति एक _____ राशि है।

- A. अदिश
- B. विमाहीन
- C. सदिश
- D. इनमें से कोई नहीं

Answer: A

Sol: सही उत्तर {a} है।

Explanation

{i} विकृति को विमा में परिवर्तन और मूल विमा के अनुपात के रूप में परिभाषित किया जाता है।

रैखिक विकृति = {लंबाई में परिवर्तन}/{मूल लंबाई}

{ii} चूँकि यह समान विमाओं वाली दो राशियों का अनुपात है, इसलिए विकृति की कोई विमा और कोई इकाई नहीं होती है।

{iii} विकृति में केवल परिमाण होता है और कोई दिशा नहीं होती है।

इसलिए, विकृति एक अदिश राशि है।

अतः, सही उत्तर {a} है।

Additional Information

{i} विकृति एक विमाहीन अदिश राशि है।

{ii} प्रतिबल को प्रति इकाई क्षेत्रफल पर लगने वाले बल के रूप में परिभाषित किया जाता है और इसे पास्कल (Pa) में मापा जाता है।

Q.50 जीका (Zika) वायरस मनुष्यों में किसके माध्यम से फैल सकता है:

- 1. मच्छर
- 2. बकरी
- 3. बतख
- 4. चमगादड़

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन कीजिए:

- A. 1, 2, 3 & 4
- B. केवल 1 & 4
- C. केवल 1, 3 & 4
- D. केवल 1

Answer: D

Sol: सही उत्तर **(D)** केवल **1** है

व्याख्या:

- जीका वायरस एक मच्छर जनित फ्लेविवायरस है जो मुख्य रूप से संक्रमित *Aedes* मच्छरों, मुख्य रूप से *Aedes aegypti* और *Aedes albopictus* के काटने से मनुष्यों में फैलता है।
- ये मच्छर दिन के दौरान काटते हैं, सुबह-सुबह और देर दोपहर के दौरान सबसे अधिक सक्रिय होते हैं, और डेंगू, चिकनगुनिया और पीत ज्वर (Yellow Fever) भी फैलाते हैं।
- बकरियां, बतख और चमगादड़ मानव आबादी में जीका वायरस फैलाने के लिए प्राकृतिक संचरण वेक्टर या प्राथमिक भंडार के रूप में कार्य नहीं करते हैं।
- मच्छरों के काटने के अलावा, यौन संपर्क, रक्त आधान (blood transfusion), और प्लेसेंटा के माध्यम से मातृ-भ्रूण संचरण द्वारा गैर-वेक्टर मानव-से-मानव संचरण हो सकता है।
- गर्भावस्था के दौरान संक्रमण नवजात शिशुओं में गंभीर जन्मजात विकृतियों का कारण बन सकता है, जिनमें सबसे विशेष रूप से माइक्रोसेफली और गुइलेन-बैरे सिंड्रोम जैसे न्यूरोलॉजिकल विकार शामिल हैं।

Information Booster:

- जीका वायरस की पहचान पहली बार 1947 में युगांडा के जीका वन में एक रीसस मकाक बंदर में की गई थी।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने अमेरिका में प्रकोप के बाद फरवरी 2016 में जीका को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (PHEIC) घोषित किया।
- सामान्य लक्षणों में हल्का बुखार, त्वचा पर लाल चकत्ते, कंजक्टिवाइटिस (आँख आना), मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द और सिरदर्द शामिल हैं, जो 2 से 7 दिनों तक रहते हैं।
- वर्तमान में जीका वायरस संक्रमण के लिए कोई विशिष्ट एंटीवायरल उपचार या व्यापक रूप से लाइसेंस प्राप्त वैक्सीन नहीं है; रोकथाम वेक्टर नियंत्रण पर केंद्रित है।

